सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 130 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शनिवार 21 फरवरी 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

खाटूश्यामजी मंदिर में लक्खी फाल्गुनी मेला शुरू

सीकर। राजस्थान के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल खाटू में लक्खी फाल्गुन मेले की शुरुआत के साथ ही श्रद्धा का सैलाब उमड़ने लगा है। मेले के औपचारिक आरंभ से पहले ही रींगस से खाटू जाने वाला मार्ग रंग-बिरंगे झंडों, भक्ति संगीत और जय श्री श्याम के जयकारों से गूंज उठा। जयपुर सहित विभिन्न शहरों से श्रद्धालु पदयात्रा करते हुए बाबा श्याम के दरबार पहुंच रहे हैं। इन यात्रियों में बच्चे, युवा और बुजुर्ग सभी शामिल हैं।

अब बिलासपुर से दिल्ली की उड़ान, बिलासपुर भी जुड़ेगा

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ से हवाई सफर करने वालों के लिए बड़ी खबर है। 29 मार्च से एयर इंडिया अंबिकापुर-बिलासपुर-दिल्ली रूट पर एटीआर-72 विमान चलाने जा रही है। यह सेवा हफ्ते में दो दिन सोमवार और बुधवार को उपलब्ध रहेगी। फ्लाईबिग की 19 सीटर छोटी विमान सेवा अनुबंध खत्म होने के बाद वह बंद हो गई। अब 70 सीटर वाले विमान की मंजूरी मिलना यात्रियों के लिए राहत भरी खबर है। फ्लाइट सुबह 7.50 बजे दिल्ली से रवाना होकर 10.25 बजे बिलासपुर पहुंचेगी। यहां से 10.50 पर उड़ेगी और 11.40 को अंबिकापुर पहंचेगी। 12.05 पर अंबिकापुर से उड़ान भरकर 2.35 बजे दिल्ली पहुंचेगी।

अब सरकारी हाथों में होंगी प्राइवेट स्कूलों की परीक्षाएं

बिलासपुर। हाईकोर्ट ने आदेश दिया है कि सीजी बोर्ड से जुड़ी प्राइवेट हिंदी और इंग्लिश मीडियम स्कूलों की 5वीं और 8वीं क्लास की सालाना परीक्षाएं अब स्कूल शिक्षा विभाग खुद कराएगा। ये फैसला उन कई स्कूलों के लिए झटका है जो बिना मान्यता के या संदिग्ध तरीके से चल रहे थे। लंबे समय से ये स्कूल अभिभावकों और बच्चों को सीबीएसई का झांसा देकर ठग रहे थे जबकि उनके पास न तो सही मान्यता थी और ही सरकार की इजाजत। अब सरकारी स्तर पर परीक्षाएं होने से ऐसे स्कूलों की शामत आ जाएगी।

धमतरी में 85 साल की वृद्धा का रेप, हालत गंभीर

धमतरी। जिले के कुरूद थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम चर्रा निवासी 85 वर्षीय बुजुर्ग महिला अपने घर में नातियों के साथ मौजूद थी। बेटा-बहू काम के सिलसिले में बाहर गए हुए थे। इसी दौरान करीब 25 वर्षीय एक युवक घर पहुंचा और मौके का फायदा उठाते हुए बुजुर्ग महिला के साथ दुष्कर्म किया। महिला की तबीयत बिगड़ गई। परिजनों ने उन्हें तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया। उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। मामले की शिकायत कुरूद थाने में दर्ज कराई है।

लोगों के दिलों पर राज करते हैं मुख्यमंत्री साय, किसानों, युवाओं से लेकर गृहिणियों तक हर किसी पर नज़र

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले की खूबसूरत वादियों में स्थित ग्राम बगिया में 21 फरवरी को जन्म लेने वाले मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपनी सज्जनता और सहृदयता से लोगों के दिलों में अपने लिए जगह बनाई है। दो वर्ष के अपने मुख्यमंत्रित्व काल में छत्तीसगढ़ में विकास का एक नया आयाम गढ़ने वाले श्री साय नागरिकों के दिलों पर राज करते हैं। श्री विष्णुदेव साय आदिवासी पृष्ठभूमि से आते हैं।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज अपनी लोकप्रियता के शिखर पर हैं। श्री साय एक ऐसे लोकप्रिय मुख्यमंत्री हैं जिनकी सदाशयता और दूरगामी योजनाओं से प्रदेश में विकास और प्रगति का राह आसान हुआ है। उन्होंने समर्थन मूल्य पर धान बेचने वाले किसानों को होली से पहले अंतर की राशि का भुगतान करने का फैसला लेकर उन्होंने उनके त्यौहार की खुशी को दोगुना कर दिया। उल्लेखनीय है कि खरीफ

विपणन वर्ष 2025-26 में 25,24, 339 किसानों से 141.04 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी की गई है। अंतर की राशि के रूप में लगभग 10 हजार करोड़ रूपए का भुगतान होली से पहले एकमुश्त किया जाएगा। किसान पुत्र श्री साय किसानों की पीड़ा को भलीभांति जानते हैं।

प्रदेश की नवीन औद्योगिक नीति से राज्य में अब तक 7 लाख 83 हजार करोड़ रूपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं। मुख्यमंत्री ने अपने दो साल के कार्यकाल में छत्तीसगढ़ को पूरे देश में एक नई ऊंचाई पर पहुंचाया है।

वर्ष 2026 को महतारी गौरव वर्ष घोषित किया गया है। 70 लाख महिलाओं को महतारी वंदन योजना के अंतर्गत प्रतिमाह 1000 रूपए की सहायता राशि प्रदान की जा रही है। 42 हजार 878 महिला स्व- सहायता समूहों को आसान ऋण से अब तक 129.46 करोड़ रूपए का लाभ दिया गया है। प्रधानमंत्री मातृवंदना योजना के अंतर्गत 4.81 लाख महिलाओं को 237 करोड़ रूपए की सहायता राशि दी गई है।

उत्तर छत्तीसगढ़ बना अंतरराज्यीय अपराधियों का हंटिंग ग्राउण्ड, 10 दिन में लूटपाट, छिनतई की तीन बड़ी वारदातें

श्रीकंचनपथ समाचार

बिलासपुर। शांत-सौम्य छत्तीसगढ़ अब अंतरराज्यीय अपराधियों का हंटिंग ग्राउंड बन रहा है। फरवरी 2026 में एक के बाद एक हुई तीन बड़ी वारदातें इसकी तरफ तगड़ा इशारा कर रही हैं। 17 फरवरी को हुई बड़ी वारदात के बाद पुलिस का ध्यान इसकी ओर गया। हालिया घटना इसकी पुष्टि कर दी है।

जांजगीर-चांपा जिले के बलौदा निवासी विनय सोनी खम्हरिया बस स्टैंड के पास रमेश ज्वेलर्स के नाम से दुकान चलाते हैं। शुक्रवार की देर शाम 7 बजे दुकान बंद कर अपने घर जाने की तैयारी कर रहे थे। कैश और सोने-चांदी के जेवरों को तीन अलग-अलग बैग में रखे थे। बैग में 50 लाख रुपए से ज्यादा के जेवर और कैश था। दुकान का शटर गिराकर बैग को नीचे रख ताला लगाने लगे। तभी सीपत की तरफ से तीन नकाबपोश युवक बाइक पर सवार होकर पहुंचे। एक युवक ने दौड़ कर बैग उठा लिया और फिर तीनों जैसे आए थे, वैसे ही फरार हो गए।

व्यापारी ने शोर मचाकर आसपास के लोगों को घटना की जानकारी दी। खबर मिलते ही सीपत टीआई राजेश मिश्रा अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंच गए। एडिशनल एसपी सिटी पंकज पटेल, एडिशनल एसपी ग्रामीण मधुलिका सिंह समेत एसीसीयू की टीम भी वहां पहुंच गई।

घटना स्थल से निकलने वाले कच्चे रास्तों में कैमरे कम होने के कारण जांच में जुटी टीम को देर रात तक उठाईगीरों का कोई सुराग नहीं मिल सका है। शहरी क्षेत्र में मिले सीसीटीवी कैमरों के कुछ फुटेज मिले हैं। लेकिन, बाइक का नंबर स्पष्ट नहीं है।

इससे तीन दिन पहले ही बदमाश सरकंडा के राजकिशोर नगर में सराफा व्यापारी से 3.35 करोड़ का सोना-कैश लूटकर भागे थे। जिनका यूपी में शॉर्ट एनकाउंटर हुआ था। पुलिस ने महज 72 घंटे के भीतर मास्टरमाइंड समेत 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

दिसंबर में दो महीने पहले इसी गिरोह ने एक होटल कारोबारी को लूटने की कोशिश की थी, लेकिन नाकाम रहे। इस मामले में गगनदीप नामक आरोपी गिरफ्तार हुआ था।

इस खुलासे ने बढ़ाई चिंता

गिरोह का सरगना विजय लांबा है, जिस पर हत्या, लूट और डकैती के 70 से अधिक मामले दर्ज हैं। लांबा ने बताया कि तिहाड़ जेल में उसकी मुलाकात गौतमबुद्धनगर निवासी मोनू उर्फ राहुल से हुई थी। जेल से छूटने के बाद दोनों ने मिलकर बिलासपुर में लूट की प्लानिंग की थी। वे इससे पहले भी एक होटल कारोबबी को लूटने की कोशिश कर चुके थे। इस मामले में गगनदीप की गिरफ्तारी हो गई थी। माना जा रहा है कि उत्तर प्रदेश और बिहार में बढ़ती मुश्किलों ने अपराधियों का रुख छत्तीसगढ़ की ओर मोड़ दिया है। अब तक पकड़े गए आरोपियों में एक को छोड़कर सभी अन्य राज्यों से हैं। आरोपियों का यह नेटवर्क जेल में रहने के दौरान बना।

जन्मदिवस पर मुख्यमंत्री साय को पीएम मोदी ने दी बधाई, लगा तांता

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का जन्मदिन आज है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सीएम साय को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं। पीएम मोदी ने अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट करते हुए कहा है कि, छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णु देव साय को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। छत्तीसगढ़ की तरक्की को बढ़ावा देने में उनका प्रयास तारीफ के काबिल हैं और लोगों की ज़िंदगी पर इसका बड़ा असर पड़ रहा है। उनकी लंबी उम्र और अच्छी सेहत के लिए प्रार्थना करता हूँ।

वहीं सीएम विष्णु देव साय के जन्मदिन के अवसर पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने उन्हें लड्डुओं से तौला और सुबह से ही बधाइयों का दौर जारी है। राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में सुबह कई वरिष्ठ भाजपा नेता उनसे मिलने पहुंचे और शुभकामनाएँ दीं। जन्मदिन के इस विशेष अवसर पर मुख्यमंत्री दोपहर में अपने गृह ग्राम बगिया (जशपुर) के लिए रवाना हुए, जहाँ उनका पारंपरिक और पारिवारिक कार्यक्रम निर्धारित है।

वहीं कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहिब फिलहाल सतनाम सद्भाव पदयात्रा पर हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री साय को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि, वे पूरे सतनाम समाज और पदयात्रियों की ओर से मुख्यमंत्री को जन्मदिवस की हार्दिक बधाई देते हैं। इसी तरह विधायकों, सांसदों एवं विभिन्न समाज के पदाधिकारियों की तरफ से उन्हें बधाई देने का सिलसिला जारी है।

बजट सत्र में आ सकता है धर्मांतरण संशोधन बिल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छग का बजट सत्र 23 फरवरी से शुरू हो रहा है। 20 मार्च तक चलने वाले सत्र में कुल 15 बैठकें प्रस्तावित हैं। इस सत्र में एक हजार से अधिक प्रश्न लगाए गए हैं। 12 से ज्यादा विधेयक पेश किए जाने की तैयारी है। इनमें धर्मांतरण संशोधन विधेयक भी सदन में पेश होने की संभावना जताई जा रही है।

राजनीतिक सरगर्मी के बीच दोनों प्रमुख दलों ने अपनी-अपनी रणनीति बनानी शुरू कर

दी है। भारतीय जनता पार्टी ने 23 फरवरी को विधायक दल की बैठक बुलाई है, जबकि नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत उसी दिन राजीव भवन में कांग्रेस विधायक दल के साथ बैठक करेंगे।

धर्मांतरण संशोधन बिल में किए गए प्रावधानों में 60 दिन पहले अनिवार्य रूप से सूचना देने, फॉर्म भरने, धोखे या लालच में आकर लिये गये फैसले पर धर्म परिवर्तन अमान्य होगा। बिना अनुमति धर्म बदलकर की गई शादी अमान्य होगी। धर्म परिवर्तन के बाद आरक्षण का लाभ नहीं मिलेगा। महिलाओं, नाबालिगों, एससी/एसटी का अवैध धर्म परिवर्तन कराने पर 2-10 साल की सजा होगी तथा 25 हजार रुपए जुर्माना भी लगाया जाएगा।

धर्म परिवर्तन के मामलों में परिजनों को भी आपत्ति का अधिकार दिया गया है।

महादेव मंदिर की दान पेटी उड़ाई, सीसीटीवी में दिखे

रायपुर। गोंदवारा स्थित बिंदेश्वर महादेव मंदिर से देर रात अज्ञात चोर ने दानपेटी पार कर दी। वारदात मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। घटना गुढ़ियारी थाना क्षेत्र की है। देर रात एक युवक मंदिर के मुख्य गेट तक पहुंचा। उसने सरिया (लोहे की रॉड) से गेट का ताला तोड़ दिया। वह अंदर दाखिल हुआ और दानपेटी को उठा लिया और फरार हो गया। घटना के बाद सुबह जब पुजारी मंदिर पहुंचे तो गेट का टूटा ताला और गायब दानपेटी देख दंग रह गए। इसके बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी गई।

राजा गए, राजनीति गई, केवल पॉलीटिक्स बाकी

श्रीकंचनपथ डेस्क

वाराणसी। बदरी पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती का मानना है कि आजकल भारत में राजनीति नहीं हो रही, यहां पॉलिटिक्स हो रही है। राजनीति का मतलब राजा की तरफ से लागू की गई नीति है। भारत में राजा नहीं रहे तो राजतंत्र भी नहीं रहा, तो राज-नीति भी नहीं रही। अब हमारे देश में विदेश से आया पॉलिटिक्स चल रहा है।

एनबीटी से चर्चा करते हुए शंकराचार्य कहते हैं, राजनीति और पॉलिटिक्स एक दूसरे के गलत

अनुदित शब्द हैं। दोनों के मतलब भिन्न हैं। पॉलिटिक्स विदेश से आया शब्द है। शास्त्र कहते हैं कि मनमानी करने वाले को सफलता या सिद्धि नहीं मिलती। उसे संतोष भी नहीं मिलता, इसलिए निरंकुश व्यक्ति या टोली पर नियंत्रण अनिवार्य हो जाता है। उनको बताया जाना चाहिए कि तुम यह गलत कर रहे हो।

हमारे यहां शब्दों में बड़ी शक्ति बताई गई है। अब शब्द की शक्ति क्या है? अगर हमारे सामने अन्याय या अत्याचार हो तो हम उसका विरोध करें। इसी को कहते हैं प्रतिकार। अब प्रतिकार कैसे करें? अन्याय करने वाले को अपने शब्दों के जरिए रोके टोंके। रोकने टोकने से मनमानेपन पर अंकुश लगता है। तानाशाही प्रवृत्ति पर लगाम लगती है। निरंकुश लोगों को भी यह समझना चाहिए कि एक निर्धारित पद्धति से ही सफलता हासिल की जा सकती है, मनमानेपन से नहीं।

हलाला के नाम पर होता रहा गैंगरेप, न्यायजगत में सन्नाटा

नई दिल्ली (ए.)। उत्तर प्रदेश पुलिस ने एक ऐसी एफआईआर दर्ज की है, जो सिर्फ तीन तलाक कानून का मामला नहीं है, बल्कि कानून के उस अंधेरे हिस्से को उजागर करती है जिस पर चर्चा नहीं होती। अमरोहा की रहने वाली एक महिला ने आरोप लगाया है कि तत्काल तीन तलाक के बाद उसे दोबारा निकाह करने के लिए ' हलाला ' की आड़ में गैंगरेप का शिकार बनाया गया।

पीड़िता का आरोप है कि उसके पति, देवर और कुछ मौलवियों ने उसे वापस शादी के लायक बनने के लिए कई बार 'हलाला' करने पर मजबूर किया। हलाला एक ऐसी प्रथा है जिसमें तलाकशुदा जोड़े को दोबारा एक होने के लिए महिला को पहले किसी

दूसरे पुरुष से शादी करनी पड़ती है और शारीरिक संबंध बनाने होते हैं। महिला ने अपनी शिकायत में कहा कि उसे हलाला के झूठे बहाने देकर, डरा-धमकाकर उसका 'गैंगरेप' किया गया।

पुलिस ने इस मामले में 2019 के मुस्लिम महिला विवाह अधिकार संरक्षण अधिनियम (तीन तलाक कानून) की धारा 3 और 4 के साथ-साथ बीएनएस की रेप और धमकी देने वाली धाराएं लगाई हैं। शुरुआती जांच के बाद पुलिस ने मामले में पॉक्सो एक्ट की धाराएं भी जोड़ दी हैं, क्योंकि पीड़िता ने बताया कि 2015 में जब उसकी जबरन शादी कराई गई थी, तब उसकी उम्र सिर्फ 15 साल थी। अमरोहा पुलिस ने बताया कि मुख्य आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि एक हकीम और पति के चचेरे भाई समेत अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

3 साल की बच्ची से दरिंदगी हत्या कर शव को दफनाया

गुरुग्राम। जिले से शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। एक तीन साल की बच्ची का अपहरण करने के बाद उसके साथ बलात्कार किया गया और फिर उसकी हत्या कर दी गई। बच्ची का शव सेक्टर 37 के इंडस्ट्रियल एरिया के पास एक खाली प्लॉट में दबा हुआ मिला। पुलिस ने इस मामले 24 साल के एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी बिहार के सुपौल जिले का रहने वाला है और एक मैन्युफैक्चरिंग फर्म में काम करता था।

लव जिहाद पर अंकुश लगाने महाराष्ट्र में भी गुजरात मैरिज रजिस्ट्री कानून जैसी शर्त जोड़ें

श्रीकंचनपथ समाचार

मुंबई। महाराष्ट्र बीजेपी के वरिष्ठ नेता किरीट सोमैया ने राज्य में लव जेहाद रोकने के लिए विवाह पंजीकरण कानून में बदलाव की मांग की है। सोमैया ने शनिवार को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को इस संबंध में एक पत्र भी लिखा।

सोमैया ने मांग की है कि गुजरात की तर्ज पर ही महाराष्ट्र में भी कानून बदला जाए। गौरतलब हो किगुजरात में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की अगुवाई वाली राज्य सरकार द्वारा विवाह पंजीकरण में माता-पिता को शामिल करने के फैसला किया है। मोटो तौर पर कोई दो व्यस्क अगर शादी करना चाहते हैं तो उनका विवाह पंजीकरण तभी होगा जब इसमें माता-पिता की अनुमति होगी। राज्य सरकार ने धोखाधड़ी से शादी और लव जेहाद पर रोक लगाने के लिए यह कदम उठाया है। शुक्रवार को राज्य के उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने विधानसभा में नियम-44 के तहत राज्य सरकार के फैसले से सदन को अवगत कराया था।

इस मंदिर में खड़ा है कल्कि भगवान का रहस्यमय घोड़ा

जयपुर (ए.)। जयपुर अपनी ऐतिहासिक और प्राचीन मंदिरों के लिए दुनियाभर में प्रसिद्ध है। यहां के प्राचीन मंदिरों में आज भी रहस्यमय इतिहास की झलक देखने को मिलती हैं। जयपुर के हवामहल बाजार के पास स्थित 300 साल पुराना कल्कि मंदिर है, जिसका इतिहास आज भी रहस्यमय है।

कल्कि मंदिर के बारे में यहां के पुजारी और स्थानीय लोग बताते हैं कि इस मंदिर का संबंध भगवान विष्णु के 10वें अवतार कल्कि से है। मंदिर के बारे में श्रीमद् भागवत गीता में कहा गया है कि जब-जब धर्म की हानि होगी, तब-तब धर्म की स्थापना के लिए भगवान विष्णु अवतार लेंगे.

जयपुर में स्थित कल्कि मंदिर का निर्माण सवाई जयसिंह द्वितीय ने 1739 में करवाया था, जिसके

बारे में कवि श्री कृष्ण भट्ट 'कलानिधि' जो जय सिंह के दरबार में एक कुलीन व्यक्ति थे, उनकी पुस्तक के उल्लेख के अनुसार, जयसिंह द्वितीय ने अपने पोते श्री कलिक जी की याद में भगवान कल्कि का मंदिर बनवाया था, जिनका निधन उनके बचपन में ही हो गया था। इस मंदिर का निर्माण दक्षिणायन शिखर शैली में कराया गया था, मंदिर के हर हिस्से में पुराने समय की अद्भुत वास्तुकला देखने को मिलती है, जो बेहद खास और रहस्यमय है। हाल ही में बनी फिल्म कल्कि का संबंध भी इसके इतिहास से है।

भरेगा घोड़े के पांव का जख्म तो आएंगे कल्कि

कल्कि मंदिर में भगवान विष्णु के 10वें अवतार के अलावा मंदिर के प्रांगण में एक चबूतरा है, जो इस मंदिर को किसी भी अन्य मंदिर से ज्यादा रहस्यमय बनाता है। यह चबूतरा देवदत्त घोड़े की मूर्ति के साथ बना है। देवदत्त कल्कि भगवान का घोड़ा है, जिसके बाएं पैर में गड्ढा है, जो समय के साथ अपने आप भर रहा है। इतिहास के पन्नों में भी इसका उल्लेख है कि इस अश्व के पैर में एक घाव है और समय के साथ-साथ ये घाव भरता जा रहा है। जिस दिन ये घाव पूरी तरह भर जाएगा, उसी दिन भगवान विष्णु के 10वें अवतार कल्कि अवतरित होंगे। मंदिर में हर दिन लोग भगवान विष्णु के दर्शन करने आते हैं। खासतौर पर भगवान विष्णु के 10वें अवतार से जुड़े रहस्य के इतिहास को जानने के लिए।

संपादकीय

प्रपंच से फजीहत

फर्जी दावे से राष्ट्रीय प्रतिष्ठा को आंच

दिल्ली में आयोजित, भारत की महत्वाकांक्षी वैश्विक एआई समिट की शुरुआत में एक प्राइवेट यूनिवर्सिटी द्वारा विदेशी रोबोट को अपनी खोज बताकर किए दावे ने देश को असहज किया। ग्लोबल साउथ के देशों का नेतृत्व कर रहे भारत की तरक्की को लेकर अकसर मीन-मेख निकालने वाले पश्चिमी मीडिया को ग्रेटर नोएडा स्थित गलगोटिया यूनिवर्सिटी के कृत्य ने नुक्ताचीनी का एक और मौका जरूर दे दिया। जिसको लेकर पश्चिमी मीडिया में खासी चर्चा हुई। यहां एक निष्कर्ष यह भी निकला कि तकनीकी शिक्षा में निजी क्षेत्रों को मौका मिलने का किस हद तक दुरुपयोग भी किया जा सकता है। यह भी कि मौलिक गुणवत्ता से समझौता करके हम देश का कैसा भविष्य तैयार कर रहे हैं। यह घटनाक्रम देश में तेजी से बढ़ती उस नकारात्मक प्रवृत्ति का हश्र भी बताता है, जिसमें आनन-फानन में शॉर्टकट से सफलता की तलाश रहती है। विडंबना यह है कि इस घटना ने वैश्विक एआई सम्मेलन के परिप्रेक्ष्य में कई सवाल पैदा किये। सवाल उठाया कि भारत आज व्यवहार में एआई व रोबोटिक्स के अनुसंधान में कहां खड़ा है? आखिर गलगोटिया यूनिवर्सिटी के नीति-नियंताओं ने यह क्यों नहीं सोचा कि चीन निर्मित एक रोबोट को अपनी उपलब्धि बताने से देश की प्रतिष्ठा को आंच आएगी? अब यूनिवर्सिटी की तरफ से सफाई दी जा रही है कि उसने रोबोट के निर्माण का दावा नहीं किया। वहीं दूसरी ओर उन सरकारी अधिकारियों की भी जवाबदेही तय की जानी चाहिए, जिन्होंने बिना जांच-पड़ताल के विश्वविद्यालय को एआई समिट में स्टॉल लगाने की अनुमति दी। निश्चित रूप से भारत ने पिछले कुछ वर्षों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित तकनीक व रोबोटिक उत्पादन के क्षेत्र में ऊंची छलांग लगाई है। युवा शक्ति के देश भारत ने एआई के क्षेत्र में अमेरिका व चीन के बाद अपना तीसरा स्थान बनाया है। जिसकी पुष्टि अंतर्राष्ट्रीय मानक संस्थाओं ने भी की है। लेकिन एक विरोधाभासी हकीकत यह है कि भारत दुनिया का सबसे बड़ी आबादी का देश है, जहां श्रम शक्ति प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है।

> “ विडंबना यह है कि इस घटना ने वैश्विक एआई सम्मेलन के परिप्रेक्ष्य में कई सवाल पैदा किये। सवाल उठाया कि भारत आज व्यवहार में एआई व रोबोटिक्स के अनुसंधान में कहां खड़ा है? आखिर गलगोटिया यूनिवर्सिटी के नीति-नियंताओं ने यह क्यों नहीं सोचा कि चीन निर्मित एक रोबोट को अपनी उपलब्धि बताने से देश की प्रतिष्ठा को आंच आएगी? अब यूनिवर्सिटी की तरफ से सफाई दी जा रही है कि उसने रोबोट के निर्माण का दावा नहीं किया।

निस्संदेह, ऐसे वक्त में जब कृषि से लेकर चिकित्सा तक और उत्पादन के क्षेत्र में एआई व रोबोटिक्स की दखल बढ़ रही है, प्रचुर श्रमशक्ति की उपलब्धता के बावजूद भारत को समय के साथ कदमताल करनी होगी। हमें एआई व रोबोटिक्स को अपनाना ही होगा। लेकिन सावधानी के साथ ताकि यह नौकरी खाने वाला बनने के बजाय नौकरी देने वाला बने। इसके साथ ही हमें एआई जगत में अपनी विश्वसनीयता भी कायम करनी होगी। ताकि फिर किसी गलगोटिया यूनिवर्सिटी की खुराफात से देश की फजीहत न हो। बल्कि हमारा शोध व विकास का तंत्र इतना मजबूत हो कि फिर हमारे किसी संस्थान को विदेशी उत्पाद को अपना नवाचारी उत्पाद बताने की जरूरत न पड़े। अन्यथा न केवल एआई समिट बल्कि देश की गरिमा को भी आंच आ सकती है। देश में शोध-अनुसंधान से जुड़े संस्थानों व विश्वविद्यालयों को सोचना होगा कि आज के कृत्रिम मेधा व इंटरनेट के जमाने में किसी खोज के बारे में फर्जी दावा कर पाना संभव नहीं है। बल्कि ऐसे कृत्य से उस संस्थान व देश की प्रतिष्ठा को आंच ही आती है। इसमें दो राय नहीं कि कृत्रिम मेधा आने वाले वर्षों में किसी भी देश की ताकत-संपन्नता का आधार बनेगी। लेकिन इस राह में कामयाबी हासिल करने के लिये देश में शोध-अनुसंधान की बुनियाद मजबूत करने की जरूरत है। अन्यथा देश को छद्म दावों से असहज स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। इससे देश की प्रतिष्ठा को आंच भी आ सकती है। निस्संदेह, आज भारत को देश में रोबोटिक्स को लेकर मजबूत इकोसिस्टम तैयार करना होगा। इसके लिये देश के पास तकनीकी क्षमता और प्रतिभा उपलब्ध है, लेकिन जरूरत इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी चुनौतियों को दूर करने की है। जिसके लिये सरकारी संबल और इंजीनियरिंग की तमाम शाखाओं में बेहतर तालमेल जरूरी है। निश्चित रूप से साठ के दशक में रोबोटिक्स की शुरुआत करने वाले अमेरिका से मुकाबला करने में हमें कुछ वक्त लगेगा। भले ही भारतीय उद्योग जगत रोबोटिक्स के शुरुआती दौर में हो, लेकिन आज देश के हर आईआईटी संस्थान में रोबोटिक्स लैब हैं। हम अपनी तेज प्रगति पर गर्व कर सकते हैं।

कट्टर दक्षिणपंथ की तरफ खिसकती धुरी

गुरबचन जगत

मानवता के लिए सदा से चुनौती रही है कि तकनीकी क्रांति को काबू में कैसे रखा जाए। चाहे वह संहारक अस्त्र-शस्त्र हों। इसमें लोकतांत्रिक संस्थानों की सकारात्मक भूमिका रही। अब ऐसे दौर में जब कट्टर दक्षिणपंथी विचारधारा की लहर है, दुनिया कुछ तानाशाह शासकों के रहमोकरम पर है।

मनुष्य के विकास क्रम में 'नियंत्रित आग' की क्षमता हासिल करना शायद सबसे अहम पलों में एक था, क्योंकि एक बड़े आकार का दिमाग होने एवं जटिल गणना करने की उसकी क्षमता के लिए ईंधन के रूप में जितनी मात्रा में कैलोरी की जरूरत होती है, वह पका हुआ भोजन मिलने से संभव हुआ (इंसानी दिमाग शरीर की कुल ऊर्जा का लगभग 25 प्रतिशत हिस्सा खर्च करता है)। ऐसा माना जाता है कि आग ने इंसानों की भोजन हजम करने वाली क्षमता बढ़ाने में मदद की, जिसके अभाव में अन्य जीव-जंतुओं के दिमाग छोटे रह गए। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में जैविक मानव-विज्ञान के प्रोफेसर रिचर्ड रैंगहम ने इसे 'कुकिंग हाइपोथिसिस' का नाम दिया है। दूसरे शब्दों में, मनुष्य के जिन पूर्वजों ने 'नियंत्रणयुक्त आग' की सामर्थ्य विकसित की, वे न केवल अपने समय के बल्कि सर्वकालिक खोजकर्ता/वैज्ञानिक गिने जाएंगे।

ऋग्वेद की सर्वप्रथम पंक्ति है 'अग्निमीले पुरोहितं यज्ञस्य देवामृत्विजम, होतारं रत्नधातमम?' अर्थात? 'अग्नि की मैं आराधना करता हूं, वह जो ईश्वर के सम्मुख प्रज्वलित है, देवता जो देखता है सत्य को, योद्धा, और है भरपूर आनंद प्रदाता'। यह अग्नि देव का आह्वान है, जिसमें उनकी स्तुति मनुष्य और दिव्य ऊर्जा के बीच माध्यम के रूप में की गई है। 'नियंत्रणयुक्त आग' और पके भोजन की बदौलत इंसान की सूझबूझ खोज एवं आविष्कार करने में तरक्की करती गई। हालांकि, मध्य युग के महान वैज्ञानिकों और खोजकर्ताओं ने ज़बरदस्त तरक्की की थी, तथापि बड़ी छलांग औद्योगिक क्रांति के समय लगी, जिसके दौरान इंसानी सूझबूझ एवं आविष्कारों की एक बड़ी लहर देखी गई। इसने पूरे यूरोप में लोकतांत्रिक आंदोलनों को भी जन्म दिया। विज्ञान के साथ-साथ साहित्य भी फला-फूला।

लोकतांत्रिक शासन और संस्थानों के विकास के कारण औद्योगिक क्रांति के परिणाम अभी भी काफी हद तक मनुष्यता के नियंत्रण में थे। ये स्वभाव से उदार थीं, जब तक कि जर्मनी, स्पेन और इटली जैसे राज्यों में तानाशाही का उदय नहीं हुआ, जिसने इन देशों की लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर कर दिया। हालांकि, प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान ज़बरदस्त जनसमर्थन के चलते लोकतंत्र कायम रहा। इस समय ने अगली बड़ी छलांग देखी— आण्विक ऊर्जा, जिसने सांस थामे बैठी दुनिया पर कहर बरपा दिया। सौभाग्य से, दुनिया में सहमति बनी और इस ऊर्जा को नियंत्रण में रखने के लिए संस्थान बनाए गए। परमाणु संपन्न शक्तियों ने संधियों पर हस्ताक्षर किए और उनपर अमल किया। अब तक तो हम कामयाब रहे हैं और इसका इस्तेमाल अधिकांशत: सकारात्मक तरीके से होता आया है। ऐसा हमारे लोकतंत्रों, उदारवादी सरकारों और संस्थानों की वजह से संभव हो पाया।

आज जब इंसान कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और क्वांटम कंप्यूटर विकसित करने में लगा है और चूंकि ये दोनों साथ मिल रहे हैं, ऐसे में 'सेंटिएंट' एआई (चेतन कृत्रिम बुद्धिमत्ता) की तगड़ी संभावना है। सैद्धांतिक तौर पर यह ऐसा एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) है जो स्वयं सोच-विचार कर सके और अपने फैसले खुद ले सके। क्या हम एक बार फिर से अहम मोड़ पर हैं... क्या मनुष्य अगली 'नियंत्रित आग' विकसित करने ही वाला है? तकनीक के विकास के साथ-साथ मानवता के विकास के लिए सदा से चुनौती रही है कि पैदा की गई आग को 'काबू में कैसे रखा जा सके', क्योंकि नियंत्रण न रहने पर यह तबाही मचा देगी। चेर्नोबिल और अन्य न्यूक्लियर आपदाएं इसका एक उदाहरण है, इतने ही 'हिरोशिमा' और 'नागासाकी' पर बम गिराने जैसे कृत्य भी।

इसी प्रकार, कोविड महामारी के बारे में कई सवाल अनसुलझे हैं, तकनीक के गलत इस्तेमाल के बारे में बहुत कुछ लिखा जा सकता है, कि कैसे अपने फायदे के लिए बनाई गई तकनीक को मनुष्य जनसंहार करने का हथियार बनाने अथवा फिर दूसरों पर नियंत्रण बनाने में बदल देता है। क्योंकि जब हम इतनी आधुनिक तकनीक बना रहे हैं, तब हमें कार्ल सैगन की दी संज्ञा 'तकनीक की किशोरावस्था' को ध्यान में रखना चाहिए, जिसमें अपनी खासियत के अनुसार, इंसान के पास दुनिया बदलने की ज़बरदस्त ताकत तो है, लेकिन उसका इस्तेमाल समझदारी या दूरंदेशी से करने की अक्लमंदी नहीं है।

आज यह गौरतलब है कि धुरी ठेठ दक्षिणपंथ की तरफ सरक रही है, इसे अमेरिका को पुन: महान बनाओ (मागा) अभियान और यूरोप, एशिया, दक्षिण अमेरिका वगैरह में इस किस्म की राजनीतिक लहरों में देखा जा सकता है। हमारी महान तकनीकी तरक्की ऐसे वक्त में हो रही है जब राजनीति एवं सरकार में उदारवाद की जगह ठेठ दक्षिणपंथ लेता जा रहा है। उदारवादी लोकतंत्र और उदारवादी अर्थव्यवस्था की जगह अधिनायकवादी राजनीति और अर्थव्यवस्था लेती जा रही है... विश्व व्यवस्था फिर से राष्ट्रवादी राज्य की तरफ लौट रही है। इतना भर नहीं, 'सरकारी नियंत्रण' शासन के कहीं ज़्यादा कठोर स्वरूप की तरफ जा रहा है, जोकि अधिनायकवाद है। कोशिश यही है कि लोकतांत्रिक चुनाव का दिखावा बना रहे और व्यवस्था को अंदर से खोखला कर दिया जाए।

अधिनायकवाद और संरक्षणवाद मायावी रूप धरकर चुनी हुई सरकारों के दरवाज़े से घुस चुका है। दार्शनिक प्लेटो ने लोकतंत्र की एक बुराई की आलोचना की थी और कहा था कि धीरे-धीरे यह तानाशाही में बदल जाएगी क्योंकि शक्ति उन धूर्तों के पास चली जाएगी जो जनता को मूर्ख बनाने में माहिर होंगे। इसमें काफी सच्चाई है अगर हमने संस्थानों को नज़रअंदाज किया और सत्ता पर अंकुश एवं संतुलन को कमजोर कर दिया। मध्यमार्गी, उदारवादी विचारधारा को कट्टर दक्षिणपंथी लहर ने पीछे धकेल दिया है।

इस घटनाक्रम के अलावा, यूरोप, एशिया वगैरह के ज़्यादातर देशों के रक्षा बजट में बढ़ोतरी की गई है और उन्होंने लगभग तत्काल प्रभाव से हथियार खरीदने शुरू कर दिए हैं। यह बदलाव विकासशील एवं विकसित अर्थव्यवस्थाओं को विकासोन्मुख होने के बजाय फिर अधिक शस्त्रीकरण की तरफ मोड़ देता है।

दुनिया भर में अलग-अलग जगहों पर युद्धों के साथ यह शुरू हो भी चुका है। इसमें एआई की आमद भी जोड़ दें तो आपके पास एक ऐसी दुनिया है जो चंद तकनीक-मठाधीशों और तानाशाह शासकों के रहमोकरम पर है। अंतरराष्ट्रीय परमाणु उर्जा एजेंसी, निशस्त्रीकरण आयोग और संयुक्त राष्ट्र के तहत कई अन्य संस्थान, परमाणु ऊर्जा विकास एवं उपयोग पर एक व्यवस्थागत नियंत्रण प्रणाली बनाने में सहायक रहे थे।

संयुक्त राष्ट्र निरीक्षकों द्वारा निरीक्षण किए जाने की भी एक व्यवस्था थी। तुरंत जरूरत इस बात की है कि एआई के इस हमले का सामना करने के लिए राष्ट्र एकजुट हों और नियंत्रण एवं संतुलन व्यवस्था लागू करें, यदि ऐसा न कर पाए तो ऐसी स्थिति पैदा हो सकती है जिसमें एआई एक 'बेकाबू आग' बन सकती है।

लेखक मणिपुर के राज्यपाल एवं जम्मू-कश्मीर में पुलिस महानिदेशक रहे हैं।

अपनों के बीच आ रही दूरी को कैसे टालें?

एन. रघुरामन

अपने आसपास देखिए, पांच साल की उम्र के कई बेटे होंगे, जो अपने पिता को 'माय सुपर हीरो' कहते हैं। जब वह 10 साल का होता है तो यह छवि थोड़ी दूसरे दर्जे पर आती है और बेटा कहने लगता है कि 'मेरे पिता सुपर हीरो हैं, लेकिन अकसर गुस्सा हो जाते हैं।'

आप लहजा देखें तो 'गुस्सा' पर थोड़ा जोर होता है और 'हीरो' शब्द थोड़ा धीमे से कहा जाता है। जब वही बेटा 15 का होता है तो मां से उसकी बॉन्डिंग अच्छी और पिता से थोड़ी दूरी बन जाती है। किसी एक मौके पर तो वह हिम्मत जुटाकर मां से पूछ ही लेता है- 'आपने पापा से शादी कैसे कर ली' 20 का होते-होते वह खुलकर कहता है कि 'मैं आम तौर पर पिता से दूरी रखता हूं और कम बात करता हूं।' 35 का होने पर उसका लहजा बिल्कुल बदल जाता है। वह कहता है कि 'मेरे पिता गुस्सैल, किन्तु अच्छे इंसान हैं।' ऐसा इसलिए क्योंकि अब वह खुद शादीशुदा है और उसका बेटा 8 साल से ऊपर का है। और जब बेटा 45 का होता है, तो पिता फिर से उसके सुपर हीरो बन जाते हैं।

ऐसा हर घर में नहीं, लेकिन बहुत-से घरों में जरूर होता है। आजकल माता-पिता और वयस्क या बड़े हो रहे बच्चों के बीच रिश्तों में दूरियों के मामले बढ़ रहे हैं। संवादहीनता, अलग-अलग मूल्यों, पारिवारिक उलझनों, बच्चों द्वारा स्वायत्तता चाहने या कभी-कभार उनके मेंटल हेल्थ को प्राथमिकता पर रखने के कारण ऐसा हो सकता है। इस बढ़ती दूरी के पांच मुख्य कारण हैं।

1. रिश्तों में उलझन और मर्यादाओं का अभाव : अत्यधिक दखलअंदाजी करते पैरेंट्स, जो बिना मांगे सलाह देते हैं और वयस्क बच्चे की निजता और आजादी का सम्मान नहीं करते। 2. बुनियादी असहमति : धर्म या लाइफस्टाइल की पसंद को लेकर गहरे मतभेद, जो न पाटी जा सकने वाली खाई बना देते हैं। 3. अनसुलझे विवाद और आलोचना : बार-बार बहस और टोका-टाकी से वयस्क बच्चे को लग सकता है कि उसे महत्व नहीं दिया जा रहा है या उस पर हमले हो रहे हैं। 4. टॉक्सिक व्यवहार और बड़े बदलाव : पैरेंट्स द्वारा मर्यादाओं का सम्मान नहीं करना या तलाक जैसे बदलाव दूरियां बढ़ने का कारण हो सकते हैं। 5. बाहरी लोगों का प्रभाव : बच्चों के ऑनलाइन फ्रेंड्स या आउटसाइडर्स के नकारात्मक प्रभाव से भी दूरियां बढ़ाने की सोच पनपती है।

अब सवाल है कि इस टकराव को सही कैसे करें पहले यह समझना जरूरी है कि अब दूरी के मामले ज्यादा क्यों दिख रहे हैं? फिजियोलॉजिस्ट और रिश्तों में दूरियों से बचने या ठीक करने संबंधी सुझाव देने वाले विशेषज्ञ जोशुआ कोलमैन कहते हैं कि 'कई बच्चों को यह सोचने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है कि उनका बचपन ही उनके मौजूदा डिप्रेशन का मुख्य कारण है। वो तनावभरी दुनिया नहीं, जिसे उन्होंने करियर के लिए अपनाया है।' रिश्तों में दूरी से बचने के लिए वे कुछ सुझाव देते हैं।

याद रखिए, सभी पैरेंट्स यह नहीं सुनना चाहते कि उन्होंने अपने बच्चों की उपेक्षा की या दिल दुखाया। बच्चों को भी जानना चाहिए कि पैरेंट्स के लिए उनकी शिकायतें सुनना और डिफेंसिव नहीं हो पाना सच में कठिन होता है, जब तक कि वे बहुत अच्छे कम्युनिकेटर न हों। बच्चों को उन्हें बताना चाहिए कि उनकी पैरेंटिंग में उन्हें क्या पसंद है। उन्होंने पैरेंट्स से क्या मूल्य सीखे हैं और इस खूबसूरत दुनिया में लाने के लिए उनकी प्रशंसा करनी चाहिए। फिर स्पष्टत: बता सकते हैं कि पैरेंट्स को कौन-सा व्यवहार थोड़ा सुधारना चाहिए। पैरेंट्स के लिए यह समझना जरूरी है कि वे शिकायत वाली इस बातचीत को पूरा होने दें। यह प्रभावित रिश्ते को रिपेयर करेगा। बहुत अच्छा होगा अगर पैरेंट्स अपनी कमजोरियों को स्वीकार कर कह सकें कि 'मैं सुनने को तैयार हूं कि मेरे कौन-से व्यवहार ने तुम्हें प्रभावित किया।'

फंडा यह है कि शांत बातचीत, पैरेंट्स का छोटी-मोटी चीजें नजरअंदाज करने का रवैया, बचपन से ही बच्चों में बड़ों के प्रति सहानुभूति पैदा करना और सबसे जरूरी उन्हें महज चीजें देकर खुश करने के बजाय अनुभवों से गुजारना- ये ऐसे कदम हैं, जो रिश्तों में दूरियां बढ़ने को रोक सकते हैं।

न्याय की भाषा और भाषा का न्याय

डॉ. सुधिर कुमार

न्याय केवल एक आदेश पत्र नहीं है, बल्कि पीड़ित के मन में उपजी वह संतुष्टि है जो उसे यह विश्वास दिलाती है कि उसकी बात सुनी गई। जिस दिन एक आम भारतीय अपनी अदालत के फैसले को स्वयं पढ़कर गौरव महसूस करेगा, उसी दिन हम भारत के लोग का संवैधानिक वादा पूरा होगा। किसी भी जीवंत लोकतंत्र की सफलता नागरिकों और संस्थाओं के बीच अटूट संवाद पर टिकी है, लेकिन भारतीय अदालतों में यह डोर अक्सर भाषाई बाधाओं के कारण टूट जाती है। कल्पना कीजिए उस मुवक्किल की, जिसके जीवन का फैसला उसकी अपनी भाषा में नहीं हो रहा। हाल ही में न्याय की देवी की आंखों से प्रतीकात्मक पट्टी तो हटा दी गई ताकि यह संदेश जाए कि न्याय सबको देखता है, लेकिन हकीकत में ऐसा नहीं हुआ।

आज भी जब अदालत की कार्यवाही मुवक्किल के लिए 'विदेशी' भाषा में होती है तो लगता है कि आंखों की पट्टी अब 'भाषाई पट्टी' में बदल गई है। निष्पक्षता का नया प्रतीक आज भी आम नागरिक 'बौद्धिक रूप से बहिष्कृत' करने वाले औपनिवेशिक भाषाई औजार के सामने बेबस है। इस विडंबना का सबसे मार्मिक दृश्य तब उभरता है जब जीवन भर की कानूनी लड़ाई लड़ने वाला व्यक्ति फैसले के बाद अपने ही वकील से पूछता है 'साहब, मैं जीता या हारा' यह सवाल उस व्यवस्था पर मूक प्रहार है जहां न्याय तो होता है, पर वह पीड़ित की समझ से कोसों दूर रहता है। लोकतंत्र की असली परिपक्वता तभी सिद्ध होगी जब न्याय की भाषा और पीड़ित की भाषा का यह फासला खत्म होगा और कानून वास्तव में 'जनता की भाषा' में संवाद करेगा। भारत में उच्च न्यायपालिका की भाषा मुख्य रूप से अंग्रेजी है, जो लॉर्ड मैकाले की उसी शिक्षा नीति की विरासत है, जिसका लक्ष्य भारतीयों को उनकी जड़ों से काटना था। आज 'आजादी के अमृत काल' में भी अनुच्छेद 348(1)(क) के कारण सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट की कार्यवाही अंग्रेजी में ही होती है। यह विडंबना है कि जिस देश की 90 प्रतिशत आबादी अंग्रेजी नहीं जानती, वहां के सबसे बड़े अदालती फैसले उसी भाषा में दिए जाते हैं।

अदालतों में मुवक्किल की स्थिति उस मूकदर्शक जैसी होती है जो अपनी ही कहानी को किसी और की जुबानी, एक अनजान भाषा में सुन रहा है। वह वकील की दलीलों पर केवल गर्दन हिलाता है, उन्हें समझता नहीं। 'भाषा का न्याय' तब खंडित होता है जब एक ग्रामीण किसान को यह समझने के लिए अनुवादक की आवश्यकता पड़ती है कि फैसला उसके हक में है या खिलाफ यह अनुच्छेद 21 (जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार) का सूक्ष्म उल्लंघन है, क्योंकि 'न्याय तक पहुंच' में उसे 'समझना' भी शामिल है।

न्याय की भाषा केवल अंग्रेजी होने तक सीमित नहीं है, बल्कि वह पुराने लैटिन शब्दों के भारी बोझ से भी दबी हुई है। उत्प्रेषण, पूर्व न्याय और दूसरे पक्ष को भी सुनो जैसी कानूनी शब्दावलियां एक आम नागरिक के लिए किसी अबूझ पहेली या जादू-टोने के मंत्र जैसी प्रतीत होती हैं। समय-समय पर न्यायपालिका में इस पर बहस हुई है। 'मधु लिमये बनाम वेदानंद शर्मा (1970)' के मामले में जब मधु लिमये ने हिंदी में बहस की अनुमति मांगी, तो उसे खारिज कर दिया गया। इसके विपरीत, यदि हम वैश्विक परिदृश्य देखें, तो फ्रांस में फ्रांसीसी, जर्मनी में जर्मन, जापान में जापानी और चीन में मंदारिन का प्रयोग होता है। कानून को 'आम आदमी की समझ' से बाहर की चीज नहीं माना जाता। भारत में तर्क दिया जाता है कि अंग्रेजी हमें वैश्विक व्यवस्था से जोड़ती है, लेकिन क्या यह तर्क उस गरीब की संतुष्टि से बड़ा है जिसे अपनी हार या जीत का कारण ही समझ नहीं आता?

डिजिटल युग में 'सुवास' (सुप्रीम कोर्ट विधिक अनुवाद सॉफ्टवेयर) जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल का विकास भाषाई दीवार को गिराने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है, जो अदालती फैसलों को क्षेत्रीय भाषाओं में सुलभ बना रहा है। हालांकि, अनुवाद कभी भी अभिव्यक्ति का पूर्ण विकल्प नहीं हो सकता क्योंकि इसमें अक्सर कानूनी बारीकियां और संवेदनाएं खो जाती हैं। वास्तविक न्याय तब होगा जब हम 'अनुवादित न्याय' से आगे बढ़कर 'मौलिक भाषाई न्याय' की ओर बढ़ेंगे, जहां फैसले अनुवाद के भरोसे न रहकर सीधे पीड़ित की मातृभाषा में लिखे जाएं। आज भारत में भी एक सशक्त 'सरल भाषा आंदोलन' की नितांत आवश्यकता है, ताकि कानून की पेचीदगियों को 10वीं कक्षा का एक सामान्य छात्र भी आसानी से समझ सके। इस दिशा में कुछ ठोस और व्यावहारिक कदम उठाने होंगे, जिसमें सबसे महत्वपूर्ण अनुच्छेद 348(2) का विस्तार करना है ताकि उच्च न्यायालयों में क्षेत्रीय भाषाओं के प्रयोग को वास्तविक बढ़ावा मिल सके। आधुनिक दौर में तकनीक का लाभ उठाते हुए एक 'द्विभाषी व्यवस्था' विकसित की जानी चाहिए, जहां अदालती कार्यवाही की लाइव स्ट्रीमिंग के दौरान स्थानीय भाषाओं में सबटाइटल उपलब्ध हों। इसके साथ ही, विधि शिक्षा के पाठ्यक्रम में सुधार करना अनिवार्य है ताकि भविष्य के वकील अपनी मिट्टी की बोली और संवेदनाओं से जुड़े रहें। प्रत्येक न्यायिक फैसले के अंत में एक 'सरल सारांश' जोड़ने की परंपरा शुरू होनी चाहिए, जो भारी-भरकम कानूनी शब्दावलियों से मुक्त हो और आम नागरिक को यह स्पष्ट कर सके कि वास्तव में फैसला क्या हुआ है। जिस दिन एक आम भारतीय अपनी अदालत के फैसले को स्वयं पढ़कर गौरव महसूस करेगा, उसी दिन हम भारत के लोग का संवैधानिक वादा पूरा होगा।

लेखक कुरुक्षेत्र विवि के विधि विभाग में सहायक प्रोफेसर हैं।

खनकती यह भी हैं, खनकती वो भी है

चूड़ियां तलवार से ज्यादा ताकतवर हैं। तलवार दुधारी हो सकती है। लेकिन चूड़ियां दोनों तरह से इस्तेमाल हो सकती हैं। उलाहने या लानत या ललकार या फटकार के रूप में भी और शांति तथा प्रेम के रूप में भी।

देखो जी, खनकती बस चूड़ियां ही नहीं हैं, खनकती तलवार भी है। रणभूमि में तलवारों के खनकने के बड़े किस्से कहे जाते रहे हैं। बस दोनों के खनकने का रस अलग-अलग होता है। चूड़ियां जब खनकती हैं तो शृंगार-रस पैदा होता है और तलवारें जब खनकती हैं तो वीर-रस पैदा होता है। तलवार का इस्तेमाल तो खैर, हथियार की तरह होता ही रहा है। बल्कि कहना चाहिए कि उसका इस्तेमाल बस हथियार की तरह ही हो सकता है। जबकि चूड़ियों का इस्तेमाल दोनों तरह से हो सकता है, हथियार की तरह भी और प्रेम-पुचकार की तरह भी।

जब किसी को लानत देते हुए चूड़ियां भेंट करने की बात आती है या फिर किसी की मर्दानगी को ललकारते हुए यह कहा जाता है कि चूड़ियां पहनकर घर बैठ जाओ, तो चूड़ियों का इस्तेमाल हथियार की तरह ही होता है। मतलब इस तरह से उसे लड़ने-भिड़ने के लिए उकसाया जा रहा होता है। लेकिन पत्नी या प्रेमिका की चूड़ियों की खनक पति या प्रेमी के लिए प्रेम की फुहार की तरह होती है। इस मायने में चूड़ियां तलवार से ज्यादा ताकतवर हैं। तलवार दुधारी हो सकती है। लेकिन चूड़ियां दोनों तरह से इस्तेमाल हो सकती हैं। उलाहने या लानत या ललकार या फटकार के रूप में भी और शांति तथा प्रेम के रूप में भी।

लेकिन इधर चूड़ियों के इस्तेमाल का एक नया रूप भी देखने में आया है। देखने में उस तरह से नहीं आया है, लेकिन इस नए रूप का एक तरह से आभास कराया गया। संभावना जताई गई जब सत्तापक्ष के लोगों ने यह आरोप लगाया कि विपक्षी महिला जनप्रतिनिधि देश-सेवक पर चूड़ियों से हमला कर सकती थी और इसीलिए वे वहां नहीं आए। चूड़ियों का ऐसा इस्तेमाल पहले कभी नहीं हुआ था। उन्हें भेंट करके किसी को शार्मिंदा तो किया ही जा सकता था, पर घायल और लहूलुहान नहीं किया जा सकता था।

वैसे तो शार्मिंदा होना भी घायल होना ही होता है, कलेजा फट जाता है, दिल टूट जाता है वगैरह-वगैरह। लेकिन प्रत्यक्ष रूप से हथियार के रूप में चूड़ियों का इस्तेमाल नहीं हुआ था। शोक में चूड़ियां तोड़कर रुदन तो किया जा सकता है और टूटी हुई चूड़ी अक्सर चूड़ी पहनने वालियों को घायल भी करती रही है।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544
www.onlytds.com

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

किसान कल्याण मंत्री रामविचार नेताम ने कृषक प्रशिक्षण हॉल व छात्रावास का किया लोकार्पण

दुर्ग। कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री रामविचार नेताम ने आज रूआबांधा स्थित कार्यालय क्षेत्रीय कृषि प्रसार एवं प्रशिक्षण संस्थान परिसर में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना अंतर्गत नवनिर्मित कृषक प्रशिक्षण हॉल एवं कृषक छात्रावास का लोकार्पण किया। मंत्री श्री नेताम ने कहा कि प्रशिक्षण हॉल एवं छात्रावास दूरस्थ क्षेत्रों से आने वाले किसानों के लिए सुविधाजनक होगा, जिससे वे आवासीय प्रशिक्षण लेकर नई तकनीकों को अपनाएंगे। साथ ही किसानों की आय बढ़ाने और उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने हेतु नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर, संभागायुक्त एस.एन.राठौर, बीज एवं कृषि विकास निगम अध्यक्ष चंद्रहास चंद्राकर तथा तेलघानी बोर्ड अध्यक्ष जितेन्द्र साहू, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल, कृषि संचालनालय से संयुक्त संचालक आर.एल. धुरंधर, संयुक्त संचालक कृषि दुर्ग गोपिका गबेल व क्षेत्रीय संचालक ऋति तिवारी सहित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

निगम द्वारा नि:शुल्क एम्बुलेंस सुविधा

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई में नागरिको की समस्याओं के निराकरण हेतु एम्बुलेंस एवं स्वर्गरथ संचालित है। नागरिको के मांग पत्र एवं मौखिक अनुरोध पर वाहन उपलब्ध कराया जाता है। जिससे उनके मुस्किल समय में निगम द्वारा नि:शुल्क सेवाएं उपलब्ध कराया जा सके। शहर के किसी भी परिवार में किसी सदस्य को अस्पताल पहुंचाने एवं किसी परिवार के सदस्य की मृत्यु होने पर उनके परिवार को नि:शुल्क वाहन सेवाएं दी जाती है।

निगम में संचालित वाहनों को पेट्रोल पम्प से दिया जाता है ईंधन

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई में संचालित वाहनों को प्रतिदिन डीजल एवं पेट्रोल प्राप्त हो रहा है। जोन कार्यालय, 77 एमएलडी, उद्यान, मुख्य कार्यालय, जनप्रतिनिधि एवं अधिकारियों द्वारा ईंधन पर्ची जारी कर ईंधन लिया जाता है। जिसका भुगतान हेतु पम्प से देयक संग्रह कर वाहन शाखा द्वारा केवल भुगतान हेतु नस्ती अग्रेषित की जाती है। वाहन शाखा द्वारा निगम में संचालित वाहनों को ईंधन प्रदाय नहीं किया जाता है।

इस्पात उद्योग में सुरक्षा उत्कृष्टता हेतु बीएसपी के हेमंत वर्मा को 'आईएसई एक्सीलेंस अवॉर्ड 2025'

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के सहायक महाप्रबंधक एवं विभागीय सुरक्षा अधिकारी (ब्लास्ट फर्नेस) हेमंत कुमार वर्मा को इस्पात उद्योग में सुरक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए 'आईएसई एक्सीलेंस अवॉर्ड 2025' से सम्मानित किया गया है। यह प्रतिष्ठित सम्मान उन्हें इंस्टिट्यूशन ऑफ सेफ्टी इंजीनियर्स (इंडिया) द्वारा प्रदान किया गया।

हेमंत कुमार वर्मा को ब्लास्ट फर्नेस परिचालन क्षेत्र में सुदृढ़ सुरक्षा संस्कृति विकसित करने तथा दुर्घटना निवारण हेतु सक्रिय एवं प्रभावी उपायों के सफल क्रियान्वयन के लिए यह सम्मान प्रदान किया गया। उन्होंने अपने कार्यक्षेत्र में सुरक्षा मानकों को सुदृढ़ बनाने, जोखिमों की पूर्व पहचान एवं नियंत्रण के उपायों को संस्थागत रूप देने तथा कर्मचारियों में सुरक्षा के प्रति सजगता और उत्तरदायित्व की भावना को प्रोत्साहित करने में उल्लेखनीय भूमिका निभाई है।

सम्मान प्राप्ति पर सहायक महाप्रबंधक एवं डीएसओ (ब्लास्ट फर्नेस)हेमंत कुमार वर्मा ने इसे अपने व्यावसायिक जीवन की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए कहा कि यह सम्मान उनके साथ-साथ पूरी टीम के समर्पित एवं संगठित प्रयासों की सामूहिक मान्यता है।

सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र परिवार ने औद्योगिक सुरक्षा के क्षेत्र में प्राप्त इस विशिष्ट सम्मान के लिए हेमंत कुमार वर्मा को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित की हैं।

सामुदायिक भवन में अतिरिक्त कक्ष मंत्री गजेन्द्र यादव ने किया लोकार्पण

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। वार्ड क्रमांक 16, कर्मचारी नगर दुर्ग स्थित शिव मंदिर प्रांगण के सामुदायिक भवन में नवनिर्मित कक्ष का शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने लोकार्पण किया। मंत्री गजेन्द्र यादव के विधायक निधि से 10 लाख की लागत से निर्मित अतिरिक्त कक्ष बनाया गया है, ताकी क्षेत्रवासियों को सामाजिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों के लिए एक सुव्यवस्थित और सुगम स्थान उपलब्ध कराना है।

शिक्षा ग्रामोद्योग एवं विधी विधायी मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा की विकसित हो रहे दुर्ग शहर में नागरिक सुविधाओं का विस्तार हमारी प्राथमिकता है। कर्मचारी नगर क्षेत्र में लंबे समय से सामुदायिक गतिविधियों के लिए अतिरिक्त कक्ष की आवश्यकता महसूस की जा रही थी।

इस देखते हुए अतिरिक्त कक्ष के निर्माण से अब स्थानीय नागरिकों को विवाह, बैठक, धार्मिक सामाजिक कार्यक्रम एवं अन्य सामुदायिक आयोजनों के लिए बेहतर सुविधा मिल सकेगी। यह निर्माण कार्य न केवल अधोसंरचना विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि सामाजिक समरसता और सामुदायिक एकता को भी सुदृढ़ करेगा। हमारी प्रतिबद्धता है कि दुर्ग शहर के प्रत्येक वार्ड में मूलभूत सुविधाओं का विस्तार हो, जिससे नागरिकों को बेहतर जीवन स्तर प्राप्त हो सके।

मंत्री गजेन्द्र यादव ने आगे कहा की शहर विकास के अंतर्गत सड़क, पेयजल, स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था, सामुदायिक भवनों के उन्नयन तथा धार्मिक स्थलों के सौंदर्यीकरण जैसे कार्य निरंतर किए जा रहे हैं।

नागरिकों की आवश्यकताओं और सुझावों के आधार पर विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है, ताकि दुर्ग को एक सुव्यवस्थित, स्वच्छ एवं सुविधायुक्त शहर के रूप में विकसित किया जा सके।

इस अवसर पर महापौर श्रीमती अलका बाघमार, पार्षद खिलावन मटियारा, देवनारायण चंद्राकर, कांशीराम कोसरे, मंडल अध्यक्ष मनमोहन शर्मा, कमलेश फेकर, बंटी चौहान, उमेश यादव, महेश देवांगन, इंद्र गंधर्व, श्रीमती मौसमी ताम्रकार, श्रीमती सविता वर्मा एवं श्रीमती अंजु यादव सहित क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

विकास कार्यों में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं: महापौर

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 48 पुलिस लाइन क्षेत्र में प्रगति पर चल रहे सड़क डामरीकरण कार्य का आज महापौर अलका बाघमार ने मौके पर पहुंचकर औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उनके साथ वार्ड प्रभारी देव नारायण चंद्रकार भी उपस्थित रहे।

महापौर ने सड़क निर्माण कार्य की गुणवत्ता, डामर की परत की मोटाई एवं निर्धारित तकनीकी मापदंडों का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि विकास कार्यों में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा और लापरवाही पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

निरीक्षण के दौरान वार्ड प्रभारी देव नारायण चंद्रकार ने स्वयं टेप लेकर सड़क की चौड़ाई एवं डामर की परत की मोटाई की नापजोख की। मौके पर ही निर्माण कार्य की प्रगति की जांच कर पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित की गई। महापौर ने अधिकारियों एवं संबंधित ठेकेदार को निर्देशित किया कि कार्य केवल निर्धारित मानकों के अनुरूप ही पूर्ण किया जाए।

इस अवसर पर एमआईसी सदस्य नीलेश अग्रवाल, लोकेश्वरी ठाकुर, ललिता ठाकुर तथा उप अभियंता करण यादव भी उपस्थित रहे। महापौर अलका बाघमार ने कहा कि घटिया सामग्री के उपयोग या मानक से कम मोटाई पाए जाने पर संबंधित एजेंसी के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, कार्य पूर्ण होने तक नियमित मॉनिटरिंग के निर्देश भी दिए गए।

सड़क डामरीकरण कार्य पूर्ण होने के बाद वार्ड क्रमांक 48 पुलिस लाइन क्षेत्र के निवासियों को आवागमन में बड़ी राहत मिलेगी। लंबे समय से खराब सड़क की समस्या से जूझ रहे नागरिकों को अब बेहतर, सुरक्षित एवं सुगम मार्ग उपलब्ध होगा।

नगर निगम द्वारा शहर के विभिन्न वार्डों में चरणबद्ध तरीके से अधोसंरचना विकास कार्य कराए जा रहे हैं, जिससे दुर्ग शहर को एक व्यवस्थित और आधुनिक स्वरूप प्रदान किया जा सके।

सफाई के लिए फेंसिंग तार हटाने महापौर लिखेगी बीएसपी को पत्र

श्रीकंचनपथ समाचार

रिसाली। शिवपारा स्टेशन मरोदा स्थित सुलभ शौचालय के आगे बीएसपी द्वारा लगाए फेंसिंग तार को हटाने महापौर शशि सिन्हा भिलाई इस्पात संयंत्र के अधिकारियों को पत्र लिखेगी। फेंसिंग की वजह से सफाई कार्य में अवरोध उत्पन्न हो रहा है।

नगर पलिक निगम रिसाली की महापौर शशि सिन्हा वार्ड 17 शिवपारा स्टेशन मरोदा पहुंची। भ्रमण के दौरान नागरिकों ने शिकायत की है कि सुलभ शौचालय नंदी चैक के आगे अतिक्रमण को रोकने इस्पात संयंत्र ने फेंसिंग तार का घेरा लगा दिया है। इस वजह से झाड़ियों और नाली में जमे मलबा की सफाई नहीं हो पा रहा है। गंदा पानी का निकासी नहीं हो रहा है।

नागरिकों की समस्याओं पर महापौर शशि सिन्हा ने आश्वासन दी कि वे जल्द ही बीएसपी प्रबंधन को पत्र लिख फेंसिंग तार हटाने कहेंगी ताकि सफाई कार्य बाधित न हो। वहीं उन्होंने क्षेत्रीय पार्षद गजेन्द्री कोठारी को भी इसी कार्य के लिए पृथक से पत्र लिखने कही।

इस दौरान एमआईसी अनिल देशमुख, संजू नेताम, पार्षद गजेन्द्री कोठारी, रेखा देवी, उपअभियंता डिगेश्वरी चंद्राकर, राजस्व विभाग के प्रभारी अधिकारी योगेश सुरे, जल कार्य विभाग के गोपाल सिन्हा आदि उपस्थित थे। महापौर शशि सिन्हा खास करके सफाई व्यवस्था की समीक्षा कर रही है। उन्होंने वार्ड में कार्यरत सफाई दरोगा से नियमित होने वाले कार्यों के बारे में पुछताछ की। महापौर ने निर्देश दिए है कि हर हाल में सफाई व्यवस्था दुरूस्त हो। नागरिकों का कहना था कि शीतला तालाब के पास शाम को असमाजिक तत्वों का जमावड़ा होता है।

इस वजह से शांति भंग की स्थिति हमेशा निर्मित होती है। नागरिकों का कहना था कि निगम प्रशासन की ओर से प्रयास हो कि क्षेत्र में नियमित पुलिस पेट्रोलिंग हो। इस पर महापौर ने उचित कार्यवाही करने के आश्वासन दिए। इसके अलावा नागरिकों ने शीतला सरोवर में लगे लाइट के अलावा शौचालय में रोशनी व्यवस्था उपलब्ध कराने की मांग की।

निगम आयुक्त ने किया सेक्टर-6 क्षेत्र का औचक निरीक्षण

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने आज जोन-5 अंतर्गत विभिन्न सार्वजनिक स्थलों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने यात्री प्रतिक्षालय, उद्यान और टेनिस कोर्ट की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और अधिकारियों को साफ-सफाई कार्य प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

एम.जी.एम. स्कूल के समीप स्थित यात्री प्रतिक्षालय के निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने पाया कि यात्रियों के बैठने के लिए लगाई गई कुर्सियां क्षतिग्रस्त हैं। उन्होंने इसे तत्काल दुरुस्त करने के निर्देश दिए ताकि यात्रियों को असुविधा न हो। ?सेक्टर-6 बम्लेश्वरी मंदिर के पास स्थित उद्यान का अवलोकन करते हुए उन्होंने बेहतर साफ-सफाई सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि नागरिकों के टहलने और बैठने के लिए वातावरण स्वच्छ होना चाहिए।

?समीपस्थ टेनिस कोर्ट का जायजा लेते हुए आयुक्त ने खिलाड़ियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं की समीक्षा की और व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जोन आयुक्त अमरनाथ दुबे, कार्यपालन अभियंता प्रिया करसे, सहायक राजस्व अधिकारी अनिल मेश्राम, जोन स्वास्थ्य अधिकारी सागर दुबे एवं स्वच्छता निरीक्षक सूर्या, सुपरवाइजर मनीष चौधरी, वेंकट सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

कृषि मंत्री नेताम ने साथी बाजार अधोसंरचना निर्माण कार्य का किया भूमिपूजन

कृषि की उन्नत तकनीक के साथ नवाचारी में यहां के किसान अग्रणी भूमिका में- स्कूल शिक्षा मंत्री यादव

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। प्रदेश के कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी, मछली पालन एवं पशुधन विकास मंत्री राम विचार नेताम के मुख्य आतिथ्य में आज बीज निगम प्रक्षेत्र रूआबांधा भिलाई में देश का प्रथम साथी बाजार अधोसंरचना निर्माण कार्य का भूमिपूजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग, विधि एवं विधायी कार्य मंत्री गजेन्द्र यादव ने की।

प्रदेश के अन्य पिछड़ा वर्ग विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष एवं दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चन्द्राकर कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। लगभग 60 करोड़ रूपए की लागत से बनने वाली साथी बाजार के माध्यम से किसानों को आत्मनिर्भर बनाने अनेक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी। जिसमें कृषकों के स्व सहायता समूहों / एफ पी.ओ. को उनके उत्पाद सीधे उपभोक्ता को विक्रय करने हेतु अपना मंडी उपलब्ध होगा। कृषको के स्व सहायता समूहों / एफपी.ओ. को अपने उत्पादो का भण्डारण करने के लिये 5000 मि. टन का कोल्डस्टोरेज उपलब्ध कराया जायेगा। कृषकों के स्व सहायता समूहों / एफपीओ. को अपने उत्पादों का प्रसंस्करण कराने के लिये प्रसंस्करण उद्योग स्थापित किया जाएगा। कृषकों को उच्च गुणवत्ता एवं उचित मूल्य पर आदान सामग्री उपलब्ध कराने के लिये एग्रीमॉल स्थापित किया जाएगा। कृषकों को नवीन तकनीक की जानकारी एवं सलाह, किराये पर उपकरण तथा परीक्षण सुविधा उपलब्ध कराने के लिये कृषक सहायता केन्द्र स्थापित किया जायेगा जिसका संचालन विश्वविद्यालय के स्नातको द्वारा किया जायेगा। कृषकों के स्व सहायता समूहों, एफपी.ओ / स्वदेशी कंपनियो को अपने उत्पाद विक्रय करने के लिये सुपर बाजार उपलब्ध कराया जायेगा। प्रदेश एवं देश की स्वदेशी उद्यमों को अपने उत्पाद विक्रय करने के लिये स्पेशल प्रमोशन जोन के माध्यम से विक्रय काउंटर बूट मॉडल पर उपलब्ध कराये जायेंगे। प्रदेश एवं देश के प्रसिद्ध रेस्टोरेंट को अपना विक्रय काउंटर खोलने के लिये स्थल बूट मॉडल पर उपलब्ध कराये जायेंगे।

प्रदेश एवं देश के प्रसिद्ध गेमिंग कंपनियों को अपना काउंटर खोलने के लिये स्थल बूट मॉडल पर उपलब्ध कराये जायेंगे। राज्य की शासकीय इकाईयों जैसे दुग्ध महासंघ, लघुवनोपज संघ, हस्तशिल्प विकास निगम इत्यादि को अपने उत्पाद विक्रय करने के लिए जगह उपलब्ध कराई जाएगी।

कृषि मंत्री राम विचार नेताम की मौजूदगी में किसान कल्याण एवं कृषि के नवाचार हेतु चार एमओयू भी हुए। जिसके अन्तर्गत सेरीक्रॉफ्ट फाउण्डेशन रायपुर द्वारा शहतूत (मलवेरी) कोसा उत्पादन कर उत्पादित कोसा को खरीदने की व्यवस्था, कवरक्रॉफ्ट इंश्योरेंस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा जोखिम को कवर करने के लिए सभी किसानों व जरूरतमंदों को बीमा सुरक्षा, स्वामी विवेकानंद टेक्नीकल युनिर्वसिटी द्वारा ग्रामीण प्रौद्योगिकी एवं इन्टरप्रेनरशीप कृषकों एवं उनके विद्यालयीन बच्चों के लिए शिक्षक प्रशिक्षण उद्यम एवं विपणन हेतु मेंबरशीप देना तथा बलराम कृषि को-ऑपरेटिव सोसायटी द्वारा फसल परिवर्तन नेपियर घाँस उगाकर उपज की खरीददारी, पलारी विस्तारकरण हेतु कांप्रेंस, बायोगैस एवं पैलेट निर्माण कर किसानों की आय में वृद्धि किया जाएगा।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास खबर

शासकीय विभागों में प्रवर श्रेणी के दिव्यांगजनों को सीधी भर्ती में मिलेगा आरक्षण

रायपुर। दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 के प्रावधानों के तहत राज्य शासन के समस्त विभागों और उनके अधीनस्थ कार्यालयों की प्रत्येक सरकारी स्थापना में सीधी भर्ती से भरे जाने वाले प्रवर श्रेणी के दिव्यांगजनों के लिए पदों का चिन्हांकन कर पद आरक्षित किए जा रहे हैं। आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में समाज कल्याण विभाग के सचिव भुवनेश यादव की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में राज्य शासन के सभी विभागों के सचिव शामिल हुए। बैठक में राज्य शासन के सभी विभागों के अंतर्गत सीधी भर्ती के प्रकम में भरे जाने वाले प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी की लोक सेवाओं एवं पदों में दिव्यांगजनों के लिए दिव्यांजन अधिकार अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार आरक्षण निर्धारित किया जाएगा। बैठक में विभिन्न विभागों के अंतर्गत आने वाले कार्यालयों में अंतिम रूप में पदों के चिन्हांकन हेतु विभागीय सचिवों से विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में सभी विभागों के भारसाधक सचिव, विभागाध्यक्ष सहित विभिन्न विभागों द्वारा दिव्यांगजनों के लिए पदों के चिन्हाकन हेतु नियुक्त नोडल अधिकारी शामिल हुए।

बस्तर हेरिटेज मैराथन का आयोजन 22 मार्च को

रायपुर। बस्तर में खेल एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित होने वाले बस्तर हेरिटेज मैराथन का आयोजन आगामी 22 मार्च को किया जाएगा। चित्रकोट महोत्सव के समापन अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में वन मंत्री केदार कश्यप ने बस्तर हेरिटेज मैराथन के आधिकारिक लोगो का अनावरण किया। कलेक्टर बस्तर ने बताया कि बस्तर हेरिटेज मैराथन का आयोजन 22 मार्च को किया जाएगा, जिसमें 5 किमी, 10 किमी, 21 किमी और 42 किमी की दौड़ प्रतियोगिता होगी। प्रतियोगिता चित्रकोट जलप्रपात से प्रारंभ होकर कुरुषपाल तक 21 किमी जाकर वापस चित्रकोट में समाप्त होगी। पाँच किलोमीटर की दौड़ चित्रकोट से मारडूम चौक तक, दस किमी की दौड़ एसटीएफकैम्प से वापस चित्रकोट तक होगी। वन मंत्री कश्यप ने अपने संबोधन में कहा कि पहली बार बस्तर हेरिटेज मैराथन का आयोजन किया जा रहा है स यह केवल एक खेल आयोजन नहीं, बल्कि युवाओं में फिटनेस, अनुशासन एवं सकारात्मक जीवनशैली को प्रोत्साहित करने की पहल है।

स्व सहायता समूह और महतारी वंदन योजना बनी सहारा

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा संचालित महतारी वंदन योजना तथा स्व सहायता समूहों की सशक्त पहल से ग्रामीण महिलाओं के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन परिलक्षित हो रहा है। ये योजनाएं महिलाओं को आर्थिक संबल प्रदान करने के साथ-साथ उन्हें आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रेरित कर रही हैं। सक्ती जिले की ग्राम पंचायत अचानकपुर अंतर्गत ग्राम डड़ाई निवासी आराधना चौहान, जो पूर्व में एक साधारण गृहिणी थीं, आज शासन की योजनाओं के सहयोग एवं अपनी मेहनत से परिवार की आर्थिक मजबूती का आधार बनी हैं। वे एकता स्व सहायता समूह से जुड़ी हुई हैं। समूह से प्राप्त ऋण के माध्यम से उन्होंने अपने घर में एक राशन दुकान प्रारंभ की, जिसका संचालन वे स्वयं कर रही हैं। श्रीमती चौहान को महतारी वंदन योजना के अंतर्गत प्रतिमाह 1,000 रुपये की आर्थिक सहायता प्राप्त हो रही है। राशन दुकान से होने वाली आय एवं योजना के अंतर्गत मिलने वाली राशि का उपयोग वे व्यवसाय को सुदृढ़ करने, बच्चे की शिक्षा तथा आवश्यक घरेलू व्यय की पूर्ति में कर रही हैं।

श्रम विभाग की कल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने श्रमिक भाई-बहन बनें जागरूक

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राज्य शासन द्वारा श्रमिकों के कल्याण के लिए संचालित योजनाओं के विषय में जागरूक करने के उद्देश्य से जिला मुख्यालय बलौदाबाजार स्थित जिला ऑडिटोरियम में गुरुवार को श्रमिक जन संवाद सम्मेलन का आयोजन किया गया।

कार्यकम में श्रम विभाग की विभिन्न योजनाओं के तहत हितग्राहियों को 1 करोड़ 4 लाख से अधिक की राशि डीबीटी के माध्यम से श्रमिक एवं उनके परिवार के खाते में आतंरित की गई।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने कहा कि राज्य शासन द्वारा श्रमिकों और उनके परिवार को खुशहाल बनाने के लिए 31 से अधिक कार्यक्रम और योजनाएँ संचालित हैं,जिनकी जानकारी सभी श्रमिक भाइयों और बहनों को होना ज़रूरी है तभी वे इन योजनाओं का लाभ ले सकेंगे। श्रमिक जन संवाद सम्मेलन का यही उद्देश्य है। उन्होंने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि ज़्यादा से ज़्यादा श्रमिक भाई बहनों तक योजनाओं का लाभ पहुँचाने ऐसे कार्यकम सार्थक भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे श्रम कल्याण मंडलके अध्यक्ष योगेश दत्त मिश्रा ने अपने संबोधन में कहा कि केंद्र सरकार द्वारा श्रमिकों के हितों के लिए क्रांतिकारी कदम उठाते हुए चार नए लेबर कोड लागू करने का निर्णय लिया गया है जो निश्चित रूप से श्रमिकों और उनके परिवारों को आर्थिक और सामाजिक रूप से सबल करने की दिशा में बड़ा कदम है।

हथकरघा बुनकर संघ की वार्षिक आमसभा में पारदर्शिता विपणन विस्तार और बुनकर हितों पर अहम फैसले

हथकरघा बुनकर संघ का 280.33 करोड रुपए का अनुमानित बजट पारित

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य हाथकरघा बुनकर संघ की वार्षिक आमसभा में वर्ष 2026-27 के लिए 280.23 करोड़ रुपए का अनुमानित बजट ध्वनि मत से पारित किया गया। बैठक में विभिन्न शासकीय विभागों से प्राप्त मांग- आदेशों में लगातार आ रही कमी पर गंभीर चिंता जताई गई और विपणन व्यवस्था को मजबूत बनाने सहित कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

आमसभा का आयोजन संघ के अध्यक्ष भोजराम देवांगन की अध्यक्षता में वीआईपी चौक, रायपुर स्थित एक निजी होटल में हुआ। बैठक में रायगढ़, जांजगीर-चांपा, सक्ती, कोरबा, बिलासपुर, रायपुर, धमतरी, बलौदाबाजार, दुर्ग, बालोद, राजनांदगांव, गरियाबंद और कांकेर जिलों से 96 प्रतिनिधि शामिल हुए।

बैठक में वर्ष 2024-25 के वित्तीय प्रतिवेदन और वर्ष 2025-26 में 31 जनवरी 2026 तक के वास्तविक आय-व्यय का अनुमोदन किया गया। आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 280.23 करोड़ रुपए का वार्षिक बजट पारित करते हुए संघ की गतिविधियों के विस्तार पर सहमति बनी।

मांग आदेश बढ़ाने पर जोर

आमसभा में विभागों से मिल रहे मांग आदेशों में कमी को संघ के लिए चुनौती बताया गया। प्रतिनिधियों ने सुझाव दिया कि सभी स्तरों पर समन्वित प्रयास कर शासकीय विभागों से अधिक से अधिक मांग आदेश प्राप्त किए जाएं।

साथ ही, वस्त्र उत्पादन नहीं करने वाली निष्क्रिय अथवा अकार्यशील प्राथमिक बुनकर समितियों की सदस्यता समाप्त करने, बुनाई मजदूरी में वृद्धि तथा समितियों के सेवा प्रभार में बढ़ोतरी की मांग भी रखी गई।

ग्रामोद्योग विभाग के सचिव श्याम धावड़े ने बताया कि माननीय मुख्यमंत्री की मंशानुसार विभागीय कार्यों में पारदर्शिता लाने के लिए एनआईसी के माध्यम से ऑनलाइन इन्वेंट्री मैनेजमेंट सिस्टम विकसित किया गया है। इससे सभी विभाग हाथकरघा संघ में उपलब्ध वस्त्र स्टॉक की जानकारी ऑनलाइन देख सकेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार बुनकरों के हित में विभिन्न योजनाएं संचालित कर रही है। संघ के अध्यक्ष श्री भोजराम देवांगन ने बताया कि माननीय मुख्यमंत्री के निर्देश पर प्रदेश के उत्कृष्ट बुनकरों द्वारा निर्मित कोसा और कॉटन वस्त्रों का मूल्य संवर्धन किया जाएगा। इसके लिए निफ्ट डिज़ाइनरों की सेवाएं ली जा रही हैं और ऑनलाइन मार्केटिंग को बढ़ावा देने के लिए मार्केटिंग कंसल्टेंट नियुक्त किया जा रहा है। इससे हाथकरघा उत्पादों के प्रचार-प्रसार और बिक्री में तेजी आने की उम्मीद है।

बिलासा शोरूम का विस्तार

संघ द्वारा कोसा और कॉटन वस्त्रों के प्रचार-प्रसार के लिए बस्तर संभाग के जगदलपुर में शोरूम प्रारंभ किया जा चुका है। इसके अलावा अम्बिकापुर, रायगढ़, बिलासपुर, बालोद, डोंगरगढ़ और चन्द्रपुर में शोरूम खोलने की तैयारी है। राज्य के बाहर मुंबई, कोलकाता, दिल्ली और बेंगलुरु जैसे महानगरों में भी 'बिलासा' शोरूम प्रारंभ करने का प्रस्ताव रखा गया है।

बैठक में जानकारी दी गई कि बुनकरों के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहन पुरस्कार, वरिष्ठ बुनकर सम्मान और उच्च शिक्षा प्रोत्साहन राशि प्रदान करने के लिए प्रदेश स्तरीय बुनकर सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इसके लिए मुख्यमंत्री जी से समय लिया जाएगा। राज्य बुनकर संघ की वार्षिक आमसभा में लिए गए निर्णय के संबंध में ग्रामोद्योग मंत्री गजेंद्र यादव ने कहा कि राज्य सरकार हाथकरघा और ग्रामोद्योग क्षेत्र को आत्मनिर्भर और प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि कोसा एवं कॉटन उत्पादों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए विपणन तंत्र को मजबूत किया जा रहा है।

मंत्री यादव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विभागीय समन्वय बढ़ाकर मांग आदेशों में वृद्धि सुनिश्चित की जाए तथा बुनकरों की आय दोगुनी करने की दिशा में ठोस पहल की जाए। आमसभा में संघ के पूर्व अध्यक्ष कमल देवांगन, वित्त विभाग के दिवाकर राठौर, सहकारिता विभाग के उमेश तिवारी, ग्रामोद्योग विभाग के अमृत यादव, संयुक्त संचालक हाथकरघा ए. अयाज़ सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। विभागीय योजनाओं की जानकारी सचिव एम.एम. जोशी ने दी।

खेल आपसी सद्भाव, अनुशासन और टीम भावना को मजबूत करने का सशक्त माध्यम- मंत्री टंकराम वर्मा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। रायपुर प्रेस क्लब खेल मड़ई 2026 के अंतर्गत आयोजित स्व. कुलदीप निगम स्मृति इंटर प्रेस क्रिकेट स्पर्धा का खिताब इलेक्ट्रॉनिक संयुक्त इलेवन ने अपने नाम कर लिया। समापन समारोह में राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा का माध्यम नहीं, बल्कि आपसी सद्भाव, अनुशासन और टीम भावना को मजबूत करने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि पत्रकार समाज का आईना होते हैं और जब वे खेल के मैदान में उतरते हैं तो स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और सकारात्मक ऊर्जा का संदेश समाज तक पहुंचता है। उन्होंने आयोजन समिति को सफल आयोजन के लिए बधाई देते हुए भविष्य में भी ऐसे आयोजन निरंतर कराने की अपेक्षा जताई।

नेताजी सुभाष स्टेडियम में खेले गए फाइनल में विस्तार न्यूज ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 12 ओवर में 60 रन बनाए। जवाब में संयुक्त इलेक्ट्रॉनिक इलेवन ने 7.1 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। हेमंत डोंगरे (14 रन), तिलक साहू (12 रन) और लक्ष्मण लेखवानी (17 रन) की पारियों ने टीम को जीत दिलाई। ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए हेमंत डोंगरे को मैन ऑफ द मैच चुना गया, जबकि पूरे टूर्नामेंट में शानदार खेल के लिए संजय सिंहदेव को प्लेयर ऑफ द सीरीज सम्मान मिला।

विजेता टीम के कप्तान मोहन तिवारी ने ट्रॉफी के साथ 51,000 रुपये का प्रतीकात्मक चेक और स्वर्ण पदक ग्रहण किए। उपविजेता टीम को 41,000 रुपये का चेक एवं रजत पदक प्रदान किए गए। सेमीफाइनल में उपविजेता रही एस. जरनो और 24 की टीमों को 21,000-21,000 रुपये के प्रतीकात्मक चेक एवं कांस्य पदक दिए गए।

पूरे टूर्नामेंट में रवि मिरी को सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज, ऋषि नेताम को सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज, लविंद्र पाल सिंह को सर्वश्रेष्ठ क्षेत्ररक्षक तथा मुकेश दरयाब को सर्वश्रेष्ठ कैच के लिए सम्मानित किया गया।

वन मंत्री कश्यप ने 65 करोड़ 96 लाख रूपए से अधिक के विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि सरकार का उद्देश्य दूरस्थ गांवों तक सड़क, सिंचाई और बुनियादी सुविधाएं पहुंचाकर ग्रामीण जीवन को आसान बनाना है। उन्होंने विश्वास जताया कि करोड़ों रुपये के इन विकास कार्यों से किसानों को बेहतर सिंचाई व्यवस्था मिलेगी, आवागमन सुगम होगा और सामाजिक-सांस्कृतिक गतिविधियों को नई पहचान मिलेगी।

वन मंत्री केदार कश्यप ने नारायणपुर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत विकास कार्यों को नई गति देते हुए सालेमेटा और घोटिया में आयोजित कार्यक्रमों के दौरान कुल लगभग 65 करोड़ 96 लाख रूपए से अधिक के विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया। भूमिपूजन किए गए कार्यों में सालेमेटा क्षेत्र के 6276.65 लाख रुपये और घोटिया क्षेत्र के 320.12 लाख रुपये के कार्य शामिल हैं।

सालेमेटा में सबसे बड़ा कार्य जल संसाधन विभाग द्वारा कोसारटेडा परियोजना की मुख्य नहर के 24 किमी जीर्णोद्धार का है, जिसकी लागत 4132.58 लाख रूपए है। इसके साथ ही कोरारटेडा नाला पर एनीकट सह सौर उद्वहन सिंचाई योजना के लिए 402.59 लाख, खण्डसरा क्षेत्र में गिरलकोना एनीकट सह सौर उद्वहन सिंचाई के लिए 423.68 लाख रुपए के कार्य का भूमिपूजन किया द्य इसी प्रकार मुण्डागुड़ा क्षेत्र में योजना के लिए 421.35 लाख तथा सोलगुड़ा स्टॉपडैम सह सौर उद्वहन निर्माण के लिए 422.41 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। भानपुरी स्थित सिंचाई कॉलोनी में सड़क, नाली, बाउंड्रीवाल, पानी टंकी और पाइपलाइन, क्रीडा परिसर निर्माण हेतु 350.75 लाख रूपए का कार्य भी शामिल है, जबकि पीएमजीएसवाई अंतर्गत सड़क निर्माण के लिए 98.29 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं।

इसके अलावा छोटे स्तर पर पुलिया निर्माण के कार्य 4.50 लाख, 09 लाख और 11.50 लाख रुपये की लागत से किए जाएंगे। जहां इन सभी कार्यों का कुल योग 6276.65 लाख रुपये है। दूसरे चरण में घोटिया में आयोजित कार्यक्रम में कुल 320.12 लाख रुपये के विकास कार्यों का भूमिपूजन हुआ। यहां गुनपुर के पास नारंगी नदी पर तटरक्षण कार्य के लिए 298.62 लाख रुपये का प्रावधान है, जबकि हाई स्कूल के पास पुलिया निर्माण हेतु 09 लाख रुपए के स्वीकृत हुए।

इसी तरह गुड़ीपारा और तिरथा में सांस्कृतिक भवन निर्माण के लिए पांच-पांच लाख रुपये तथा ग्राम पंचायत गुरिया में पानी टैंकर वितरण 2.50 लाख रुपये निर्धारित किए गए हैं। जहां विकास कार्यों की कुल लागत 320.12 लाख रुपये है।

सकारात्मक सोच ही सफलता की कुंजी, युवा बदलेंगे भारत का भविष्यः राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। धमतरी स्थित बाबू छोटे लाल श्रीवास्तव स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आज वार्षिक स्नेह सम्मेलन उत्साह और उमंग के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ शासन के राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का जो संकल्प लिया गया है, उसमें शिक्षा और स्वास्थ्य की निर्णायक भूमिका होगी। उन्होंने कहा कि शिक्षा विकास की आधारशिला है और आज का युवा नई तकनीकों का कुशल उपयोग कर स्वयं को ऊँचाइयों तक पहुंचा रहा है। एक सकारात्मक विचार जीवन की दिशा बदल सकता है। विचार ही सामान्य व्यक्ति को असाधारण बनाते हैं।उन्होंने युवाओं से नकारात्मकता से दूर रहकर सकारात्मक सोच अपनाने और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि राज्य सरकार घोषणाओं से अधिक कार्यों में विश्वास रखती है।

इस अवसर पर मंत्री वर्मा ने विद्यार्थियों के आग्रह पर छत्तीसगढ़ के सुप्रसिद्ध लोकगायक लक्ष्मण मस्तुरिया का लोकप्रिय गीत प्रस्तुत कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम के दौरान मंत्री ने विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन कर प्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह भी प्रदान किए।

महापौर रामू रोहरा ने अपने संबोधन में कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश निरंतर विकास के नए आयाम गढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि धमतरी विधानसभा क्षेत्र में बीते दो वर्षों में लगभग 250 करोड़ रुपये के विकास कार्य स्वीकृत किए गए हैं। इनमें 500 सीटर नालंदा परिसर, विधि विभाग भवन, हाईटेक बस स्टैंड, प्रमुख मार्गों का उन्नयन, ऑडिटोरियम, इंडोर स्टेडियम, विद्युत स्टेशन तथा सिहावा चौक से कोलियरी और रत्नाबांधा चौक से मुजगहन तक सड़क चौड़ीकरण जैसे कार्य शामिल हैं। प्राचार्य विनोद पाठक ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए महाविद्यालय की शैक्षणिक एवं खेल उपलब्धियों की जानकारी दी। इस अवसर पर पूर्व विधायक रंजना साहू, जनपद पंचायत अध्यक्ष अंगिरा ध्रुव, नगर निगम सभापति कौशल्या देवांगन सहित अनेक जनप्रतिनिधि, प्राध्यापकगण एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री ने छत्रपति शिवाजी के प्रतिमा का किया लोकार्पण

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्रपति शिवाजी की 396 वें जन्म जयंती के अवसर पर उनकी प्रतिमा का लोकार्पण उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने किया। यह प्रतिमा कवर्धा शहर में छत्रपति शिवाजी चौक पर स्थापित की गई है। प्रतिमा के पार्श्व में किले की दीवार और आजू बाजू में तोपों की प्रतिकृति बनाई गई है। जो पूरे प्रतिमा को भव्यता प्रदान कर रही है।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा यह कवर्धा के लिए ऐतिहासिक दिन है जब अदम्य वीरता और साहस के प्रतीक छत्रपति शिवाजी की प्रतिमा उनके जन्म जयंती के अवसर पर यहां स्थापित की जा रही है।

छत्रपति शिवाजी का व्यक्तित्व हमारे समाज और युवाओं के लिए पथ प्रदर्शक और प्रेरणादायी रहा है कि कैसे उन्होंने मुगल आतंक को चुनौती दी और अपनी वीरता से एक विशाल साम्राज्य की नींव रखी, जो आगे चलकर विदेशी ताकतों के खिलाफ भारतीय प्रतिरोध का प्रतीक बना। यह प्रतिमा आने वाली पीढ़ी को प्रेरणास्त्रोत के रूप में राष्ट्र प्रेम की

सीख देगा। प्रदेश में लाल आतंक के खात्मे पर उन्होंने कहा कि हम सशस्त्र नक्सलिज्म को खत्म करने का कार्य कर रहे हैं। आज हम बस्तर से लाल आतंक के समूल नाश करने में निर्णायक स्थिति में पहुंच चुके हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में यह संकल्प लिया गया था जिसे पूर्ण करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रहे हैं। कवर्धा में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 146 करोड़ की लागत से भव्य भोरमदेव मंदिर कॉरिडोर का निर्माण किया जा रहा है। जिसमें मड़वा महल, छेरकी महल और रामचुंवा को भी शामिल किया गया है, यहां के सरोवर और मेला स्थल को भी संवारा जाएगा। इसी प्रकार बूढ़ा महादेव मंदिर के उन्नयन एवं नदी तट को संवारने का काम किया जाएगा। यहां कांवड़िया सदन का निर्माण भी होने जा रहा है।

विधायक दुर्ग ग्रामीण ललित चंद्राकर ने कहा कि छत्रपति शिवाजी ने देश को एकजुट कर भारत को भारत बनाने में अपने प्राण न्यौछावर किया। उनका व्यक्तित्व आज इतने वर्षों बाद भी उतना ही प्रेरणादायी व अनुकरणीय है। उन्होंने पूरे समाज और पूरे देश को एक किया है। छत्रपति शिवाजी की प्रतिमा की स्थापना शहर को न केवल भव्यता दे रहा है बल्कि युवाओं को हमारे अमर बलिदानी के योगदान की हमेशा याद दिलाएगा।

हैमर थ्रो में तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा सुधा सिंह सम्मानित

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। शासकीय नवीन महाविद्यालय लखनपुर, केवरा की बीएससी की प्रतिभावान छात्रा सुधा सिंह ने एथलेटिक्स की हैमर थ्रो विधा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में प्रथम स्थान तथा राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त कर क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है। उनकी इस उपलब्धि से महाविद्यालय परिवार सहित पूरे क्षेत्र में हर्ष और उत्साह का वातावरण है। इस उल्लेखनीय सफलता पर पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने छात्रा सुधा सिंह को सम्मानित करते हुए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मंत्री अग्रवाल ने कहा कि ग्रामीण अंचलों की बेटियां आज हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं। आवश्यकता केवल उन्हें उचित मंच, संसाधन और प्रोत्साहन देने की है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार खेल और शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर अवसरों का विस्तार कर रही है, ताकि प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को आगे बढ़ने का अवसर मिल सके। सुधा सिंह की उपलब्धि यह सिद्ध करती है कि लगन, परिश्रम और आत्मविश्वास के बल पर सीमित संसाधनों के बावजूद भी बड़ी सफलताएं प्राप्त की जा सकती हैं। मंत्री अग्रवाल ने अपने संदेश में कहा कि हमारा संकल्प है कि बेटियों की प्रतिभा को उचित मंच और अवसर मिले, उनके सपने साकार हों। सुधा सिंह जैसी प्रतिभाएं न केवल अपने परिवार और महाविद्यालय का, बल्कि पूरे क्षेत्र और प्रदेश का नाम रोशन करती हैं।

दिव्या अग्रवाल की शादी की अफवाहों पर लगा विराम

पति के साथ शेयर किया वीडियो

हाल ही में अभिनेत्री दिव्या अग्रवाल अपनी शादी को लेकर सुर्खियों में थीं। इस बीच उन्होंने अपने पति के साथ एक वीडियो शेयर किया है। आइए जानते हैं इसमें क्या है?

अभिनेत्री दिव्या अग्रवाल अक्सर अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। एक वक्त उनकी शादी में दरार और तलाक की खबरें जोरों पर थीं। खबरें थीं कि दिव्या अपने पति से अलग रह रही हैं और उनके रिश्ते में कड़वाहट आ गई है। ऐसे में अभिनेत्री ने अपने पति के लिए एक खास पोस्ट की है।

शादी को लेकर फैली अफवाहें

रियलिटी शो 'द 50' में कंटेस्टेंट भाव्या सिंह ने दिव्या के वैवाहिक जीवन पर सवाल उठाए थे, जिससे अफवाहें और तेज हो गई थीं। हालांकि इन सभी अफवाहों पर विराम लगाते हुए दिव्या ने शुक्रवार को अपनी शादी की सालगिरह के मौके पर पति संग एक खास वीडियो शेयर किया है। वीडियो में दोनों एक दूसरे के साथ प्यार भरे अंदाज में नजर आ रहे हैं। दोनों एक दूसरे के साथ डांस कर रहे हैं।

दिव्या ने लिखी प्यारी पोस्ट

पोस्ट के कैप्शन में दिव्या ने लिखा, 'मैंने आपसे शादी इसलिए की क्योंकि आप ही वो इंसान हैं जो मुझे पूरी तरह समझते हैं। आपने कभी मुझे बदलने की कोशिश नहीं की। आप मुझे अंदर से जानते हैं, जैसे मैं सच में हूं। मेरे प्यार को शादी की सालगिरह मुबारक। आने वाले वर्षों में चाहे जिंदगी कितनी भी पागलपन भरी क्यों न हो, हम हमेशा साथ रहेंगे।'

सेलेब्स ने किए कमेंट

दिव्या की पोस्ट को कई यूजर्स ने लाइक किया है और उस पर कमेंट किया है। दिव्या की दोस्त और अभिनेत्री गौहर खान ने भी कमेंट करके उन्हें बधाई दी है। गौहर ने लिखा, 'शादी की सालगिरह मुबारक हो।' टीना दत्ता ने कमेंट में लिखा 'आप दोनों प्यारे हैं।' इसके अलावा कई यूजर्स ने पोस्ट पर दिल वाला इमोजी कमेंट किया है।

दिव्या अग्रवाल का वर्कफ्रंट

दिव्या अग्रवाल अभिनेत्री, मॉडल और डांसर हैं। इन दिनों वह रियलिटी शो 'द 50' में नजर आ रही हैं। उन्होंने वेब सीरीज 'रागिनी एमएमएस: रिटर्न्स 2' से एक्टिंग में डेब्यू किया था। वह 'बिग बॉस ओटीटी 1' की विनर रही हैं।

शिवांगी ने पर्दे पर निभाया विधवा का चुनौतीपूर्ण किरदार, बोलीं- सादगी में भी सुंदरता

टीवी से लेकर फिल्मों तक अपनी अलग पहचान बना चुकी अभिनेत्री शिवांगी वर्मा वेब सीरीज हसरतें सीजन 3 में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने के साथ खास बातचीत में सीरीज में अपने किरदार को लेकर बातें कीं। अभिनेत्री ने कहा, यह सीरीज बहुत पॉपुलर है। मैं हमेशा से ही इसकी फैन रही हूं और मुझे सीजन 3 में काम करने का मौका मिला।

इसके लिए मैं मेकर्स की बहुत आभारी हूं कि उन्होंने मुझे चुना और काबिल समझा। अभिनेत्री के एपिसोड का नाम मिडनाइट ब्राइड है। इसमें शिवांगी ने एक विधवा का किरदार निभाया है। उन्होंने बताया कि यह रोल उनके असली व्यक्तित्व से बिल्कुल अलग है। उन्होंने कहा, असल जिंदगी में मैं काफी मॉडर्न और फैशनेबल हूं, लेकिन मेरा किरदार एक विधवा का है।

समाज में विधवाओं को मेकअप न करने, रंग-बिरंगे कपड़े न पहनने और साधारण रहने की उम्मीद की जाती है। इस रोल को निभाते हुए मुझे पता चला कि सादगी में भी सुंदरता होती है और मैंने सोचा था कि अगर मेकर्स ने मुझे चुना है, तो इसमें अपना बेस्ट दूंगी। हालांकि, शूटिंग खत्म होने के बाद मुझे हर तरफ से खूब सराहना मिली थी।

शिवांगी अपने काम को लेकर काफी गंभीर रहती हैं। वे हमेशा अच्छी स्टोरीलाइन पर ध्यान देती हैं। उन्होंने बताया कि अगर कहानी इमोशनल है, तो वे और सारी चीजें भूल जाती हैं। उन्होंने कहा, अगर स्टोरी अच्छी है और एक्टर के तौर पर मुझे मौका मिल रहा है, तो मैं पूरा जोर लगाकर अच्छा परफॉर्म करती हूं।

मैं महिला केंद्रित किरदारों को करने के लिए हमेशा तैयार हूं, क्योंकि ऐसे किरदारों में महिलाओं के अलग-अलग रूप दिखते हैं और काम करने में बहुत मजा आता है। उन्होंने बताया, मुझे रोमांटिक थ्रिलर करने की बहुत इच्छा है। अगर कोई अच्छी रोमांटिक थ्रिलर स्टोरी आए या फिर कोई बायोपिक, तो जरूर करना चाहूंगी।

काजोल को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट ने दिया अंतरिम आदेश, पर्सनैलिटी राइट्स से जुड़ा है मामला

काजोल से पहले पवन कल्याण, पूर्व क्रिकेटर सुनील गावस्कर, आर माधवन और जूनियर एनटीआर के पर्सनैलिटी राइट्स को लेकर आदेश दिए गए हैं।

दिल्ली हाई कोर्ट ने शुक्रवार को एक्ट्रेस काजोल देवगन के पर्सनैलिटी राइट्स को लेकर एक अंतरिम आदेश दिया। जस्टिस ज्योति सिंह ने कई डिफेंडेंट को उनकी इजाजत के बिना उनके नाम, तस्वीर, आवाज या उनकी पहचान का इस्तेमाल कमर्शियल मकसदों के लिए करने से रोक दिया है।

कोर्ट ने दिया आदेश

कोर्ट ने यह भी कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और डीपफेक टेक्नोलॉजी के जरिए उनके पर्सनैलिटी राइट्स का गलत इस्तेमाल होने से बचाया जाना चाहिए। आगे के आदेश यह पक्का करेंगे कि कोई भी उनकी पहचान का इस्तेमाल डिजिटल कंटेंट में न करे।

कंटेंट हटाने का आदेश

इसके अलावा, अदालत ने अलग-अलग डिफेंडेंट को एक्ट्रेस के खिलाफ ऑनलाइन पब्लिश किए गए अश्लील कंटेंट को हटाने का निर्देश दिया। काजोल देवगन की तरफ से एडवोकेट प्रवीण आनंद अदालत में पेश हुए।

अजय देवगन को भी मिली सुरक्षा

काजोल के अलावा, अजय देवगन ने भी बीते साल पर्सनैलिटी राइट्स के लिए दिल्ली हाई कोर्ट में अपील की थी। कोर्ट ने अभिनेता के पक्ष में फैसला सुनाते हुए सभी अवैध साइट और एआई-जनरेटेड डीपफेक वीडियो को हटाने का आदेश दिया था और आगे भी इस्तेमाल पर रोक लगाई थी।

इन लोगों को भी मिली सुरक्षा

अदालत ने हाल ही में अमिताभ बच्चन, ऐश्वर्या राय बच्चन, नागार्जुन, अजय देवगन, अनिल कपूर और अभिषेक बच्चन को पर्सनैलिटी राइट्स को लेकर सुरक्षा दी है। इन फैसलों से यह पक्का होता है कि लोगों को अपनी पर्सनैलिटी के डिजिटल इस्तेमाल पर पूरा कंट्रोल रहेगा।

काजोल का वर्कफ्रंट

काजोल को आखिरी बार फिल्म 'सरजमीं' में देखा गया था। जल्द ही वह फिल्म 'महारागनी; क्वीन ऑफ क्वीन्स' का हिस्सा होंगी। इसमें उनके साथ प्रभुदेवा और नसीरुद्दीन शाह भी होंगे।

19 साल बाद फिर से भारत आएंगी ग्लोबल स्टार शकीरा इन शहरों में करेंगी परफॉर्म.....

ग्लोबल स्टार शकीरा इस साल भारत में फिर से एक बार शानदार परफॉरमेंस देने वाली हैं। इस बात की पुष्टि होने के बाद उनके फैंस काफी ज्यादा एक्साइटेड नजर आ रहे हैं। उन्होंने पिछली बार 2007 में इंडिया में परफॉर्म किया था। अब 19 साल बाद फिर से शकीरा अपना जलवा बिखेरने इंडिया आ रही हैं।

कब परफॉर्म करेंगी शकीरा?

लैटिन पॉप की ग्लोबल स्टार शकीरा इस अप्रैल भारत में लगभग 19 साल बाद धमाकेदार वापसी करने जा रही हैं। वे 10 अप्रैल 2026 को मुंबई के महालक्ष्मी रेसकोर्स और 15 अप्रैल 2026 को दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में परफॉर्म करेंगी। 2007 में अपने 'ऑरल फिक्सेशन टूर' के दौरान मुंबई में यादगार शो करने के बाद यह उनका पहला बड़ा कॉन्सर्ट होगा।

शकीरा ने बनाया रिकॉर्ड

यह कॉन्सर्ट गैर-लाभकारी पहल 'फीडिंग इंडिया' के तहत आयोजित किया जा रहा है, जिसमें 'डिस्ट्रिक्ट बाए जोमेटो' सहयोग कर रहा है। खास बात यह है कि फीडिंग इंडिया कॉन्सर्ट पहली बार एक से ज्यादा शहरों में हो रहा है। बता दें कि शकीरा दुनिया की सबसे ज्यादा सुनी जाने वाली लैटिन महिला कलाकारों में से एक हैं और उनके 100 मिलियन से ज्यादा रिकॉर्ड्स बिक चुके हैं। उनके हिट गाने जैसे 'हिप्स डोंट लाइ', 'वाका वाका', 'व्हेनेवर व्हेरेवर' और 'शी वोल्फ' आज भी दुनियाभर में बहुत पॉपुलर गानों में से हैं। उनका हालिया 'लास मुजेरेस या नो लॉरेंस वर्ल्ड टूर' किसी लैटिन आर्टिस्ट द्वारा किया गया अब तक का सबसे ज्यादा कमाई करने वाला टूर बना और गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हुआ।

कहां मिलेंगे टिकट्स?

टिकट्स केवल 'डिस्ट्रिक्ट' पर उपलब्ध होंगे। एचएसबीसी क्रेडिट कार्ड होल्डर्स को 27 फरवरी दोपहर 12 बजे से 1 मार्च दोपहर 12 बजे तक 48 घंटे की अर्ली एक्सेस मिलेगी। वहीं जनरल सेल 1 मार्च दोपहर 1 बजे से शुरू होगी। शकीरा का यह टूर न सिर्फ एक म्यूजिकल इवेंट होगा, बल्कि एक खास सामाजिक पहल के साथ भारत को ग्लोबल म्यूजिक मैप पर और मजबूती से स्थापित करने वाला भी साबित होगा।

मैंने मेहनत, पैशन और प्यार के साथ निभाया दिल धोखा और डिजायर में अपना किरदार आकांक्षा चमोला

एक्ट्रेस और बिग बॉस 19 के विजेता गौरव खन्ना की पत्नी आकांक्षा चमोला ओटीटी डेब्यू कर चुकी हैं। स्ट्रिमिंग प्लेटफॉर्म शेमारू मी की वेब सीरीज दिल धोखा और डिजायर में वह खास अंदाज में नजर आईं, जिसे लेकर वह बेहद उत्साहित हैं। आकांक्षा ने बताया कि वह सही समय का इंतजार कर रही थीं। दिल धोखा और डिजायर से डिजिटल डेब्यू कर रहीं आकांक्षा ने इस प्रोजेक्ट को लेकर उत्साह जताया है और कहा है कि वह अपने काम के चुनाव को लेकर बहुत सतर्क रहती हैं। आकांक्षा ने बताया, अपनी जर्नी के इस मोड़ पर ओटीटी स्पेस में कदम रखना बहुत खास लग रहा है।

मैंने इस वेब सीरीज में बहुत मेहनत, पैशन और प्यार डाला है। उम्मीद है कि दर्शक मालिनी और उनकी जर्नी को उतनी ही प्यार से अपनाएंगे। सीरीज में आकांक्षा मालिनी का किरदार निभा रही हैं, जो कहानी का केंद्र है। मालिनी मजबूत होने के साथ कमजोर भी है, हिम्मत वाली है लेकिन उलझनों में भी फंसी है। आकांक्षा कहती हैं, यह रोल मुझे इमोशनली चैलेंज करता है। मालिनी रियल और कई कमियों वाली है।

उन्होंने आगे कहा, मैं सही स्क्रिप्ट और सही रोल का इंतजार कर रही थी और अब लगता है कि इंतजार सही था। मैं अपने काम को लेकर बहुत जागरूक हूं। इस कैरेक्टर ने मुझे क्रिएटिवली उत्साहित किया क्योंकि इसमें अलग-अलग शेड्स हैं। मेरा किरदार प्यार करने वाली, गुस्सैल, कमजोर, कभी-कभी मैनिपुलेटिव भी है। मालिनी आपको पसंद आएगी।

आकांक्षा ने हाल ही में छोटे पर्दे पर टीवी शो कैसे मुझे तुम मिल गए से वापसी की है।

ब्रेकफास्ट के लिए बेहतरीन विकल्प है ब्रोकली चीला

ब्रोकली एक ऐसी सब्जी है, जो अपने पोषक तत्वों के लिए जानी जाती है। आमतौर पर लोग इसे सूप या सब्जी के रूप में खाते हैं। क्या आप जानते हैं कि ब्रोकली से चीला भी बनाया जा सकता है? जी हां, ब्रोकली का चीला एक स्वादिष्ट और सेहतमंद विकल्प है, जो आपके सुबह के नाश्ते को खास बना सकता है। आइए इसकी रेसिपी जानते हैं।

ब्रोकली चीला बनाने के लिए जरूरी चीजें

ब्रोकली चीला बनाने के लिए आपको कुछ मुख्य चीजें चाहिए होंगी, जैसे कि ब्रोकली (फूलों में कटी हुई), बेसन, दही, हरी मिर्च (बारीक कटी हुई), अदरक का पेस्ट, नमक, हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, जीरा, धनिया पत्तियां और तेल। आप चाहें तो इसमें और भी सब्जियां डाल सकते हैं, जैसे गाजर, शिमला मिर्च, प्याज आदि। इन चीजों को मिलाकर आप एक पौष्टिक और स्वादिष्ट नाश्ता तैयार कर सकते हैं।

ब्रोकली को कैसे तैयार करें?

सबसे पहले ब्रोकली को छोटे-छोटे फूलों में काट लें। अगर आपके पास पहले से ही कटी हुई ब्रोकली हो तो उसे इस्तेमाल करें। इसके बाद ब्रोकली के फूलों को मिक्सी में पीस लें ताकि वे बारीक पेस्ट बन जाएं। ध्यान रखें कि पेस्ट इतना पतला न हो कि पानी निकलने लगे, बस इसे हल्का सा दरदरा रखें। इससे चीला का टेक्सचर अच्छा आएगा और इसका स्वाद भी बढ़ जाएगा।

घोल तैयार करें

ब्रोकली पेस्ट के साथ-साथ आपको एक घोल भी तैयार करना होगा। इसके लिए एक बड़े बर्तन में बेसन, दही, नमक, हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर और जीरा डालकर अच्छे से मिलाएं। इस मिश्रण में पीसी हुई ब्रोकली डालें और पानी की मदद से इसे घोल बनाएं। घोल इतना गाढ़ा होना चाहिए कि जब चम्मच उठाएं तो मिश्रण चम्मच पर चिपके। इसके बाद इस घोल को कुछ मिनट के लिए ढककर रख दें ताकि सभी मसाले अच्छे से मिल जाएं।

चीला कैसे सेंके?

अब गैस पर तवा गर्म करें और उस पर थोड़ा तेल फैलाएं, फिर एक करछी भर घोल लेकर तवे पर फैलाएं। इसे दोनों तरफ से सुनहरा होने तक सेंकें। इसी प्रकार सारे चीले तैयार कर लें। आप चाहें तो इन्हें तेल की बजाय घी में भी सेंक सकते हैं, जिससे इनका स्वाद और भी बढ़ जाएगा। अब तैयार चिल्लों को गर्मागर्म परोसें और इसका आनंद लें।

राज्य सरकार जल संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप देने के लिए प्रतिबद्ध - मुख्यमंत्री साय

▶ 31 मई तक 10 लाख जल संरचनाओं का लक्ष्य, जल सुरक्षा को मिलेगा नया आधार

▶ डबरी निर्माण से बढ़ेगा भू-जल स्तर, किसानों को मिलेगा अतिरिक्त लाभ

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर । मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल की संयुक्त अध्यक्षता में नवा रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में आयोजित बैठक में प्रदेश में जल संचय-जन भागीदारी 2.0 अभियान के क्रियान्वयन की गहन समीक्षा की गई। केंद्रीय मंत्री पाटिल इस बैठक में वर्चुअली शामिल हुए और बैठक को संबोधित किया। इस दौरान बिलासपुर, दुर्ग और सूरजपुर जिले के कलेक्टरों ने अपने-अपने जिलों में अभियान के अंतर्गत संचालित कार्यों और गतिविधियों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि जल संकट 21वीं सदी की केवल गंभीर पर्यावरणीय ही नहीं, बल्कि आर्थिक, सामाजिक और विकासात्मक चुनौती भी बन चुका है। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण को स्थायी और प्रभावी बनाने के लिए जनभागीदारी अनिवार्य है।उन्होंने देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस संदेश का उल्लेख किया, जिसमें पानी के उपयोग को प्रसाद के समान मानते हुए जल के प्रति संवेदनशील और जिम्मेदार दृष्टिकोण अपनाने पर जोर दिया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन से प्रेरित होकर राज्य सरकार जल संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप देने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि अभियान के पहले चरण में छत्तीसगढ़ ने देशभर में द्वितीय स्थान प्राप्त किया तथा विभिन्न जिलों को भी अलग-अलग श्रेणियों में पुरस्कार मिले। पहले चरण में सामुदायिक भागीदारी के मॉडल पर कार्य करते हुए बड़े पैमाने पर बोरवेल रिचार्ज, रूफटॉप रेनवॉटर हार्वेस्टिंग, रिचार्ज शाफ्ट, सोक पिट और ओपनवेल रिचार्ज जैसी संरचनाओं का निर्माण किया गया। श्री साय ने कहा कि प्रदेश में वर्तमान में 5 क्रिटिकल और 21 सेमी-क्रिटिकल भू-जल ब्लॉक चिन्हित हैं। वर्ष 2024 की तुलना में 2025 में इनमें से 5 ब्लॉकों में भू-जल निकासी में कमी और भू-जल स्तर में सुधार दर्ज किया गया है, जो जल संरक्षण प्रयासों के सकारात्मक परिणामों का संकेत है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि अभियान के दूसरे चरण जल संचय-जन भागीदारी 2.0 के अंतर्गत तकनीक आधारित और अधिक परिणाममूलक रणनीति अपनाई जा रही है। राज्य सरकार ने 31 मई 2026 तक 10 लाख जल संरक्षण संरचनाओं के निर्माण का लक्ष्य निर्धारित किया है। मुख्यमंत्री ने इसे जल सुरक्षा की दिशा में प्रदेश का ऐतिहासिक कदम बताया।

उन्होंने कहा कि राज्य के रजत जयंती वर्ष के अवसर पर एक विशेष पहल के तहत 10 एकड़ से अधिक भूमि वाले चार लाख से अधिक किसानों को अपने खेतों में डबरी निर्माण के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इस कार्य में जिला प्रशासन के साथ-साथ औद्योगिक समूहों का सहयोग भी लिया जा रहा है। इन डबरियों से भू-जल स्तर में वृद्धि के साथ किसानों को सिंचाई एवं मछली पालन जैसी अतिरिक्त सुविधाएँ मिलेंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दूसरे चरण में सभी जल संरचनाओं की जियोटैगिंग, ग्राम पंचायतों के वॉटर बजट तथा जल सुरक्षा योजनाओं के निर्माण पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। साथ ही गांवों के युवाओं को जल मित्र के रूप में प्रशिक्षित किया जाएगा, ताकि अभियान को गति मिल सके। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि क्रिटिकल और सेमी-क्रिटिकल ब्लॉकों पर विशेष फोकस रखते हुए सेमी-क्रिटिकल ब्लॉकों में 40 प्रतिशत तथा क्रिटिकल ब्लॉकों में 65 प्रतिशत जल संरक्षण कार्यों का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने प्रदेशवासियों से जल संरक्षण को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने, जल संरचनाओं की रक्षा करने और जल के प्रति जिम्मेदार सोच अपनाने का आह्वान भी किया।

केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल ने छत्तीसगढ़ में जल संरक्षण के क्षेत्र में हो रहे कार्यों और नवाचारों की सराहना की। उन्होंने कहा कि गत वर्ष जल संरक्षण के प्रयासों में छत्तीसगढ़ देशभर में दूसरे स्थान पर रहा, जो राज्य के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सितंबर 2024 को सूरत से 'जल संचय जन भागीदारी अभियान' की शुरुआत की थी और 'कर्मभूमि से मातृभूमि के लिए जल संचयन में सहयोग' का आह्वान किया था। इस अभियान का उद्देश्य जल संरक्षण को जनआंदोलन का रूप देना है।

केंद्रीय मंत्री पाटिल ने प्रदेश के समस्त कलेक्टरों से मनरेगा के तहत जल संचय कार्यों के लिए प्राप्त राशि का पूर्ण और प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने राजनांदगांव प्रवास के दौरान एक महिला सरपंच द्वारा स्वयं के प्रयासों से जल संचयन के लिए किए गए उल्लेखनीय कार्यों की प्रशंसा की। इसके साथ ही उन्होंने जल संचय में व्यापक जनभागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया।

बैठक में मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, जल संसाधन विभाग के सचिव श्री राजेश सुकुमार टोप्पो तथा जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार के सचिव कांताराव और छत्तीसगढ़ के समस्त कलेक्टर वर्चुअली उपस्थित थे।

दुर्घटना पीड़ितों को मिलेगा 7 दिन तक 1.50 लाख रुपए का कैशलेस उपचार

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। परिवहन मंत्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार भारत सरकार की महत्वाकांक्षी पीएम राहत योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रदेश में तैयारी तेज कर दी गई है। इसी क्रम में परिवहन सचिव एस. प्रकाश ने आज सभी जिले के पुलिस प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग और डायल 112 के अधिकारियों की वर्चुअल बैठक ली। बैठक में सचिव एस. प्रकाश ने निर्देश दिए कि सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों को योजना के तहत 7 दिनों तक अधिकतम 1 लाख 50 हजार रुपए तक का कैशलेस उपचार तुरंत उपलब्ध कराया जाए।

परिवहन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि प्रदेश के लगभग 1000 अधिकृत अस्पतालों के साथ-साथ अन्य सक्षम अस्पतालों को भी इस योजना से जोड़ा जाए, ताकि जरूरतमंदों को समय पर उपचार मिल सके। साथ ही यह सुनिश्चित किया जाए कि अस्पतालों के उपचार संबंधी भुगतान 10 दिनों के भीतर कर दिए जाएं।

परिवहन सचिव एस. प्रकाश ने अधिकारियों से कहा कि अधिकारी अरविंद यादव और अमित देवांगन ने पावर पॉइंट के माध्यम से प्रस्तुति और वीडियो के माध्यम से योजना के बेहतर क्रियान्वयन की प्रक्रिया समझाई। उन्होंने पुलिस, स्वास्थ्य विभाग, डायल 112 और जिला प्रशासन की भूमिकाओं एवं जिम्मेदारियों की विस्तृत जानकारी दी। वर्चुअल बैठक में बस्तर, मानपुर-मोहला-अंबागढ़ चौकी सहित सभी जिलों के कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, स्वास्थ्य विभाग के नोडल अधिकारी एवं संबंधित अधिकारी शामिल हुए। बैठक में उप परिवहन आयुक्त मनोज कुमार ध्रुव तथा अंतर्विभागीय लीड एजेंसी (सड़क सुरक्षा) से दिनेश टांक भी उपस्थित थे।

जिला प्रशासन द्वारा कलेक्टर अमित कुमार के मार्गदर्शन में संचालित 'आकांक्षा - सशक्त युवा, सशक्त सुकमा' कार्यक्रम के अंतर्गत चयनित युवाओं को लाइवलीहुड कॉलेज परिसर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर युवाओं में उत्साह, आत्मविश्वास और उज्ज्वल भविष्य की उम्मीद स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही थी।

एमओयू के माध्यम से रोजगार के अवसरः जिला प्रशासन ने निजी क्षेत्र में रोजगार के ठोस अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से चेन्नई स्थित ड्राइव मैनेजमेंट सर्विसेज के साथ एक विशेष एमओयू किया है। इस साझेदारी के माध्यम से सुदूर अंचलों के युवाओं को राष्ट्रीय स्तर की कंपनियों में रोजगार का अवसर उपलब्ध कराया जा रहा है। यह पहल उन युवाओं के लिए विशेष रूप से लाभकारी सिद्ध हो रही है, जिन्हें अब तक अवसरों की सीमित उपलब्धता के कारण प्रतिस्पर्धात्मक मंच नहीं मिल पाता था। चयनित युवाओं में 16 युवतियों की भागीदारी महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक उल्लेखनीय उपलब्धि है।

यह पहल न केवल आर्थिक आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देती है, बल्कि सामाजिक दृष्टिकोण में सकारात्मक परिवर्तन का भी संकेत है। पहली बार जिले से बाहर रोजगार प्राप्त करने का अवसर मिलने से युवाओं में आत्मविश्वास और आत्मसम्मान की भावना सुदृढ़ हुई है। कलेक्टर अमित कुमार ने चयनित अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि 'आकांक्षा ङ्क सशक्त युवा, सशक्त सुकमा' कार्यक्रम केवल रोजगार उपलब्ध कराने की योजना नहीं, बल्कि युवाओं के आत्मविश्वास को नई उड़ान देने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन का उद्देश्य है कि सुकमा का प्रत्येक युवा कौशलयुक्त बने और उसे आजीविका के लिए श्रेष्ठ मंच प्राप्त हो।

ग्राम आसिरगुड़ा, कोंटा निवासी सोड़ी बसंती ने बताया कि यह उनके जीवन का गौरवपूर्ण क्षण है। पहली बार घर से बाहर जाकर रोजगार प्राप्त करने का अवसर मिला है, जिससे वे अपने परिवार की आर्थिक सहायता कर सकेंगी।बोरगुड़ा निवासी सोनिया नुप्पो ने जिला प्रशासन की इस पहल को सराहनीय बताते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

गौरतलब है कि सुकमा जिला प्रशासन भविष्य में भी रोजगार मेलों, कौशल विकास प्रशिक्षण एवं उद्योग साझेदारियों के माध्यम से युवाओं को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। यह पहल नक्सल प्रभावित क्षेत्र की पहचान से आगे बढ़कर सुकमा को एक सशक्त, आत्मनिर्भर और अवसरों से परिपूर्ण जिले के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

इस अवसर पर महिला आयोग की सदस्य दीपिका सोरी, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मुकुंद ठाकुर, लाइवलीहुड कॉलेज के प्रभारी अधिकारी कैलाश कश्यप सहित अन्य अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बच्चों के भविष्य निर्माण के लिए विद्यालयों में बनाएं बेहतर वातावरणः मंत्री राम विचार नेताम

एकलव्य विद्यालयों के निर्माण कार्य में लेट-लतीफी पर एजेंसियों पर नाराजगी जाहिर की

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। आदिम जाति विकास मंत्री रामविचार नेताम ने नवा रायपुर स्थित आदिवासी अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान के सभाकक्ष में एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय की प्रगति की समीक्षा की। मंत्री नेताम ने कहा कि एकलव्य विद्यालय शत-प्रतिशत केन्द्र सरकार के सहयोग से चलता है। हम सबकी का जिम्मेदारी है कि इस कार्य को बेहतर बनाएं और इस विद्यालय में अध्ययन कर रहे विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण के लिए शिक्षा का बेहतर वातावरण तैयार करें। उन्होंने एकलव्य विद्यालय के नये भवन प्रस्ताव में अनिवार्य रूप से जीम और ऑडिटोरियम को जोड़ने के भी सुझाव दिए।

मंत्री नेताम ने समीक्षा के दौरान एकलव्य आवासीय विद्यालय के भवनों में लेट-लतीफी के लिए निर्माण कार्य में एजेंसियों पर कड़ी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा कि एजेंसी के जिम्मेदार अधिकारी शीघ्र ही संबंधित जिलों के कलेक्टरों और विभागीय सहायक आयुक्तों से मिलकर कार्य में प्रगति लाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि एकलव्य विद्यालय अंतर्गत दी जा रही सामग्रियों में गुणवत्ता के साथ-साथ एकरूपता भी होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि लापरवाही और गड़बड़ी पर समझौता न करें और उचित कार्रवाई किया जाना सुनिश्चित करें।

मंत्री श्री नेताम ने एकलव्य विद्यार्थियों के गणवेश की गुणवत्ता को बेहतर करने और उसमें एकरूपता लाने के निर्देश दिए। उन्होंने मेजरमेंट पर भी अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट किया। गौरतलब है कि राज्य में अनुसूचित जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्तायुक्त शिक्षा उपलब्ध कराने, प्रतिस्पर्धा की भावना जागृत कर प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के उद्देश्य से वर्तमान में प्रदेश के 26 जिलों में 75 एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय संचालित हैं। इसमें बालक विद्यालयों की संख्या 8 और कन्या विद्यालयों की संख्या 10 है। शेष 59 विद्यालय संयुक्त रूप से संचालित हो रहा है। बैठक में विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने छात्रावास-आश्रम के विद्यार्थियों के लिए विशेष रूप से स्वास्थ्य, शिक्षा, खेल और गुणवत्तापूर्ण भोजन पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि सभी एकलव्य विद्यालयों के प्राचार्य, सहायक आयुक्त यह ध्यान दें कि नियमित रूप से बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण हो। खेल के क्षेत्र में भी भविष्य निर्माण और रूचि को ध्यान में रखते हुए अच्छे प्रशिक्षण और खेल परिसर की व्यवस्था होनी चाहिए। उन्होंने शिक्षा के लिए बेहतर माहौल तैयार करने के भी निर्देश अधिकारियों को दिए। प्रमुख सचिव श्री बोरा ने खासतौर पर भोजन की गुणवत्ता को लेकर कहा कि इस पर विशेष रूप से ध्यान देने की जरूरत है। श्री बोरा ने कहा कि बच्चों के स्वास्थ्य और आपात स्थिति को ध्यान में रखते हुए आवश्यक दवाईयों के साथ-साथ एंटीवेनम की व्यवस्था भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

आदिम जाति विकास विभाग के आयुक्त डॉ. सारंश मित्तर ने कहा कि एकलव्य आवासीय भवन फेस-1 का निर्माण अपूर्ण है। वे शीघ्र कार्य पूर्ण करना सुनिश्चित करें। अपूर्ण कार्यों के लिए संबंधित जिलों के कलेक्टरों से समन्वय कर निर्माण कार्यों में तेजी लाना सुनिश्चित करें। बैठक में सभी संभागों में निर्माणाधीन भवनों की एक-एक कर समीक्षा की गई। बैठक में जर्जर भवनों के मरम्मत का भी प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए गए। आयुक्त डॉ. मित्तर ने बैठक में उपस्थित सभी विद्यालयों के प्राचार्यों और सहायक आयुक्तों से कहा कि बहुत से विद्यालयों के बच्चों के 10वीं और 12वीं का रिजल्ट में सुधार की जरूरत है।

सभी अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि आने वाले वर्षों में परीक्षा परिणाम में सुधार हेतु पढ़ाई पर ज्यादा से ज्यादा ध्यान दें। बैठक में सभी जिलों के सहायक आयुक्त आदिम जाति विकास विभाग, एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों के प्राचार्य, निर्माण एजेंसियों के प्रतिनिधि तथा विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

नक्सल प्रभावित सुकमा से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते कदम

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। नक्सल प्रभावित क्षेत्र के रूप में पहचान रखने वाले सुकमा जिले से आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत 35 युवा (16 युवतियां एवं 19 युवक) प्रतिष्ठित बहुराष्ट्रीय कंपनियों में रोजगार प्राप्त करने हेतु चेन्नई के लिए रवाना हुए। यह अवसर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में युवाओं के सशक्तिकरण की दिशा में संचालित प्रयासों का परिणाम है।

उपमुख्यमंत्री ने कबीर कुटियों को वाद्ययंत्रों के लिए 4.25 लाख रुपए का किया वितरण

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने कवर्धा स्थित विधायक कार्यालय में 17 कबीर कुटियों को भजन, सत्संग, कीर्तन एवं अन्य धार्मिक आयोजनों के लिए प्रत्येक कबीर कुटी को 25-25 हजार रुपए की मान से कुल 4 लाख 25 हजार रुपए की राशि का चेक वितरित किया। कबीरपंथ से जुड़ी धार्मिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से जनसंपर्क मद से वाद्ययंत्रों के खरीदी के लिए यह स्वीकृत किया गया।

उप मुख्यमंत्री शर्मा द्वारा स्वीकृत यह राशि संबंधित कबीर कुटियों को आज प्रदान की गई, जिससे वहां नियमित रूप से आयोजित होने वाले भजन, सत्संग, कीर्तन एवं अन्य आध्यात्मिक कार्यक्रमों के लिए आवश्यक वाद्य सामग्री उपलब्ध कराई जा सकेगी। उल्लेखनीय है कि क्षेत्र की कबीर कुटियों द्वारा वाद्ययंत्रों की आवश्यकता को लेकर आवेदन प्रस्तुत किया गया था।

समाज की इस आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने तत्परता दिखाते हुए 17 कबीर कुटियों के लिए 25-25 हजार रुपये की राशि स्वीकृत की। आज उपमुख्यमंत्री शर्मा द्वारा विधिवत चेक वितरण कर कबीरपंथी समाज को यह सौगात प्रदान की।

इस अवसर पर राज्य पुलिस जवाबदेही प्राधिकरण के सदस्य भगतराम पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष संतोष पटेल, नरेन्द्र मानिकपुरी, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष मनहरण कौशिक, भुखन साहू, रामबिलास चंद्रवंशी, विजय पाटिल रवि राजपुत, सतविंदर पाहुजा, विजय लक्ष्मी तिवारी, लाला राम साहू सहित जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

2 साल की बच्ची खेलते हुए गर्म दाल से झुलस गई, मौत

कोरबा। कोरबा आंगन में खेलते समय सिगड़ी पर चढ़ा बर्तन गिरने से गर्म दाल से झुलसी 2 साल की बच्ची की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना सिटी कोतवाली अंतर्गत सीतामणी क्षेत्र के शिव मंदिर गली में गुरुवार को हुई, जहां निवासरत शंकर सारथी की 2 वर्षीय बच्ची अन्य बच्चों के साथ सुबह घर के आंगन में खेल रही थी। इस दौरान वहां सिगड़ी में चढ़े बर्तन में दाल पक रही थी। खेलते-खेलते बच्ची सिगड़ी से टकरा गई, जिससे बर्तन गिरने के कारण वह गर्म दाल से झुलस गई। परिजन ने उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पिता शंकर सारथी के मुताबिक घटना के समय आंगन में ही बच्ची की मां आरती मौजूद थी, जो काम में व्यस्त थी। एकाएक घटना होने से उसे बचाने का कोई मौका ही नहीं मिला।

तालाब गई नाबालिग से दुष्कर्म आरोपी को 20 साल की सजा हुई

रायगढ़। रायगढ़ पुसौर थाना क्षेत्र अंतर्गत तालाब नहाने गई नाबालिग को बहला-फुसलाकर अपने घर ले जाकर दुष्कर्म करने वाले आरोपी को कोर्ट ने 20 साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है और अर्थदंड से भी दंडित किया है। पीड़िता के परिजनों ने पुसौर थाना में रिपोर्ट लिखाते हुए बताया था कि उसकी नाबालिग बेटी 14 सितंबर 2024 को गांव के तालाब में नहाने गई थी, जहां गणेश उरांव 20 साल, ने तालाब के पास उसे बहला-फुसलाकर अपने घर ले गया और जबरन शारीरिक संबंध बनाया। जिसके बाद पीड़िता ने अपने परिजनों को पूरी घटना की जानकारी दी। परिजनों की शिकायत के बाद पुलिस आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज कर आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया,जहां उसे 20 साल की सजा सुनाई गई।

अचानक स्कूटी में लगी आग घर भी आया चपेट में

कोंडागाँव। कोतवाली थाना अंतर्गत आलबेडा फॉरेस्ट कॉलोनी इलाके में गुरुवार की देर शाम शिक्षक अजय मरकाम के घर पर रखी स्कूटी में स्पार्क होने से घर में अचानक आग लग गई, और देखते ही देखते घर का पाकिंग एरिया और लिविंग रूम जलकर खाक हो गया। इसके साथ ही स्कूटी और एक बाइक सहित अन्य समान जलकर राख हो गया। आसपास के लोगों ने इसकी सूचना दमकल को दी लेकिन दमकल मौके पर पहुंचती इससे पहले ही लोगों ने पानी का छिड़काव कर आग पर काबू पा लिया था। जानकारी के मुताबिक स्कूटी खराब होने की वजह से गुरुवार की शाम ही मरम्मत करवा कर लाए थे स्कूटी गर्म थी और शायद यही वजह रही कि आग लग गई। घटना के वक्त शिक्षक दंपति घर के अंदर ही था और वह आग की वजह से बाहर नहीं निकल पा रहे थे। जैसे- तैसे लोगों ने रेत और पानी का छिड़काव कर आग पर काबू पाया और शिक्षक दंपति परिवार सहित बाहर आ पाए अजय मरकाम के मुताबिक तकरीबन तीन से चार लाख रुपए के सामान जलकर खाक हो गए हैं।

छत्तीसगढ़ में दो सड़क-हादसों में 5 की मौत

डिवाइडर-पोल से टकराई कार, 3 युवकों ने दोड़ा दम, रेलकर्मी समेत 2 की गई जान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में तफ्तार का कहर देखने को मिला है। दो अलग-अलग सड़क हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई। रायपुर के आरंग में राष्ट्रीय राजमार्ग-53 पर पारागांव के पास कार बेकाबू होकर डिवाइडर से टकराई, फिर पोल से जा भिड़ी। हादसे में 3 युवकों की मौके पर मौत हो गई।

मृतकों में हर्ष कुमार देवांगन (21), राहुल देवांगन (20) और थानू सतनामी (22) शामिल है। घायल की शिनाख्त मिथलेश धीवर (23) के रूप में हुई है। वहीं, बिलासपुर में दो बाइकों टक्कर में रेलकर्मी समेत दो लोगों की मौत हो गई। युवक बारात में शामिल होने जा रहे थे। घटना रतनपुर थाना क्षेत्र की है।

रिश्तेदार को छोड़कर लौट रहे थे युवक

आरंग पुलिस के अनुसार, टाटा विस्ता (सीजी 04 एचडी 2156) में सवार चारों युवक महासमुंद अपने एक रिश्तेदार को छोड़ने गए थे। शुक्रवार रात वापसी के दौरान पारागांव के पास ड्राइवर ने कार से अचानक नियंत्रण खो दिया। तेज रफ्तार के कारण कार डिवाइडर से टकराने के बाद उछलकर पोल से जा भिड़ी। कार के परखच्चे उड़ गए हैं।

हादसे में 3 युवकों की मौके पर मौत हो गई। एक घायल हालत गंभीर है, जिसका अस्पताल में इलाज चल रहा है। राहगीरों ने तत्काल पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। आरंग थाना प्रभारी हरीश साहू ने बताया कि, शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। क्षतिग्रस्त वाहन को हटाकर यातायात बहाल कर दिया गया है। शुरुआत जांच में तेज रफ्तार को हादसे की मुख्य वजह मानी जा रही है।

बिलासपुर में दो बाइक की टक्कर 2 की मौत

बिलासपुर में शुक्रवार की देर शाम दो बाइक में जबरदस्त टक्कर हो गई। इस हादसे में एक रेलकर्मी और दूसरे बाइक सवार युवक की मौत हो गई। जबकि, बाइक के पीछे बैठे युवक की हालत गंभीर है। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना रतनपुर थाना क्षेत्र की है। जानकारी के अनुसार भरवीडीह निवासी

मनहरण कमल (61) रेलवे में चौकीदार के पद पर कार्यरत थे। कोटा रेलवे स्टेशन पर उनकी पोस्टिंग थी। शुक्रवार शाम मनहरण ड्यूटी जाने के लिए अपनी बाइक क्रमांक सीजी 10एजे4464 में सवार होकर कोटा जाने के लिए निकला था।

अभी वो जूना शहर के पास पहुंचा था। उसी समय सामने से तेज रफ्तार बाइक पर सवार दो युवक आ रहे थे। दोनों बाइक की रफ्तार काफी तेज थी। अचानक दोनों बाइक आमने-सामने से टकरा गई।

बारात में शामिल होने जा रहे युवक की मौत

दूसरी बाइक क्रमांक सीजी 10 बीवी 9022 में सवार शिव धनुहार (35) और कृष्णा धनुहार एक बारात में शामिल होने जा रहे थे। इस हादसे के बाद दोनों बाइक सवार उछलकर सड़क से दूर जा गिरे।

वहीं, उनकी बाइक भी बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। रेलकर्मी मनहरण कमल और शिव धनुहार के सिर में गंभीर चोट लगने की वजह से मौके पर ही उनकी मौत हो गई। जबकि, कृष्णा धनुहार गंभीर रूप से घायल है।

इस घटना के बाद आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। उन्होंने तत्काल पुलिस के डायल 112 को हादसे की जानकारी दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायल कृष्णा को इलाज के लिए एंबुलेंस रतनपुर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बिलासपुर रेफर कर दिया गया।

वहीं, दोनों शव को पोस्टमॉर्टम के लिए मॉर्च्युरी शिफ्ट करा दिया गया है। पुलिस इस मामले में मर्ग कायम कर जांच कर रही है। प्रथम दृष्टया तेज रफ्तार की वजह से हादसा होने की बात सामने आई है।

लकड़ी का अवैध परिवहन करते दो पकड़ाए

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। भालूनारा फॉरेस्ट बैरियर में वन विभाग और उड़नदस्ता टीम ने गुरुवार को अवैध रूप से जलाऊ लकड़ी और तख्त (पट्टा) परिवहन करते दो माजदा और एक पिकअप वाहन जब्त किया। मुखबिर से सूचना मिलने पर पुलिस की तर्ज पर टीम ने शाम 6 बजे से वाहनों की जांच शुरू की।

पहली कार्रवाई में सीजी 08 वाई 2044 माजदा वाहन को रोका गया। इसमें आम प्रजाति की लकड़ी से भरी पांच चट्ठा लोड थी। वाहन छाल से खरसिया होते हुए रायपुर जा रहा था। चालक सोभनाथ चंद्रा के खिलाफ वन अधिनियम के तहत

कार्रवाई की जा रही है। दूसरी कार्रवाई में रात 2 बजे सीजी 04 पीक्यू 9935 माजदा को रोका गया।

इसमें सेमल और मिश्रित प्रजाति की पांच चट्ठा लकड़ी थी। चालक चेतन उर्फ शंकर साहू को हिरासत में लिया गया। जांच के दौरान पिकअप वाहन सीजी 13 एएस 6540 को रात साढ़े 11 बजे रोका गया। वाहन में मिश्रित लकड़ियों से बने 16 पट्टा भरे थे। चालक किशन लाल चंद्रा कोई वैध दस्तावेज नहीं दिखा सके। रेंजर लीला पटेल ने बताया कि तीनों वाहनों पर वन अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई अवैध लकड़ी तस्करी पर कड़ा संदेश है और उड़नदस्ता दल व वन परिक्षेत्र की संयुक्त निगरानी से भविष्य में ऐसी गतिविधियों पर सतत नजर रखी जाएगी, ताकि आगे तस्करी पर रोक लगा सके।

डॉक्टर-नर्स की अनुपस्थिति में स्वीपर ने कराया प्रसव, नवजात की मृत्यु

श्रीकंचनपथ न्यूज

सरगुजा। जिले के कुन्नी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्य सेवाओं में गंभीर लापरवाही का मामला सामने आया है। डॉक्टर और नर्स की अनुपस्थिति में अस्पताल के स्वीपर ने प्रसव कराने का प्रयास किया।

सरगुजा जिले के कुन्नी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्य सेवाओं में गंभीर लापरवाही का मामला सामने आया है। डॉक्टर और नर्स की अनुपस्थिति में अस्पताल के स्वीपर ने प्रसव कराने का प्रयास किया। इस घटना में नवजात शिशु की मौत हो गई, जिससे परिजनों में आक्रोश है। मैनपाट क्षेत्र के ग्राम सुपलगा निवासी गौरी यादव को 16 फरवरी की रात करीब 11 बजे कुन्नी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती

कराया गया था। उस समय अस्पताल में न तो कोई डॉक्टर मौजूद था और न ही कोई नर्सिंग स्टाफ17 फरवरी की सुबह करीब 7 बजे अस्पताल के स्वीपर श्यामपति ने प्रसूता का प्रसव कराने का प्रयास किया। प्रसव के दौरान बच्चा गर्भ में ही फंस गया, जिससे स्थिति बिगड़ गई। सूचना मिलने पर डॉक्टर देव कुमार साहू और नर्स अस्पताल पहुंचे। उन्होंने बच्चे को बाहर निकाला, लेकिन तब तक नवजात की जान जा चुकी थी। यह प्रसूता का पहला बच्चा था, जिसका शव कुन्नी में ही दफ्न कर दिया गया। परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है।

सीएमएचओ का पक्ष

सरगुजा के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पीएस मार्को ने लापरवाही के आरोपों से इन्कार किया है। उन्होंने बताया कि अस्पताल में केवल एक डॉक्टर और एक स्टाफ नर्स उपलब्ध थे। उनकी ड्यूटी समाप्त हो चुकी थी। परिजनों को रात में ही प्रसूता को लखनपुर रेफर करने की सलाह दी गई थी। लेकिन उन्होंने सुबह ले जाने की बात कही थी।

स्टाफ की कमी

सीएमएचओ ने यह भी बताया कि प्रसूता की गर्भावस्था के दौरान कोई नियमित जांच नहीं हुई थी। सोनोग्राफी भी नहीं कराई गई थी, जिससे बच्चे की स्थिति का पता नहीं चला। प्रसव के दौरान पता चला कि बच्चा उल्टा था। कुन्नी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में एक मेडिकल ऑफिसर और चार नर्सें पदस्थ हैं।

सक्ती में मजदूर अपहरण कांड का खुलासा, 5 आरोपी गिरफ्तार

सक्ती। छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में मजदूर के अपहरण के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए ठेकेदार समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस घटना ने इलाके में हड़कंप मचा दिया था।

जानकारी के अनुसार, मामला डभरा थाना क्षेत्र के ग्राम कांसा का है। यहां मजदूर राकेश भारद्वाज को ईंट भट्टे में काम करने के लिए पहले से पैसे दिए गए थे। लेकिन मजदूरी पर नहीं जाने को लेकर ठेकेदार और मजदूर के बीच विवाद हो गया।

बताया जा रहा है कि इसी विवाद के चलते ठेकेदार नरेश कुमार टंडन ने अपने साथियों शिव टंडन, देवानंद भारद्वाज, कीर्तन खांडे और परमेश्वरी टंडन के साथ मिलकर मजदूर को जबरन कार में बैठाकर उठा

लिया। घटना के बाद मजदूर की पत्नी ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

आरोपियों में एक महिला भी शामिल है। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी ठेकेदार अन्य राज्यों में ईंट भट्टों के लिए मजदूरों की सप्लाई करता है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और आगे की कार्रवाई जारी है।

ट्रैफिक पुलिस और युवक के बीच झड़प

श्रीकंचनपथ न्यूज

अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर शहर में ट्रैफिक पुलिसकर्मी और एक युवक के बीच हुई मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। यह घटना शहर के व्यस्त महामाया चौक पर हुई, जहां एक मामूली विवाद देखते ही देखते हाथापाई में बदल गया।

जानकारी के मुताबिक, विवाद की शुरुआत युवक की बाइक की चाभी छीनने को लेकर हुई। आरोप है कि ड्यूटी पर मौजूद ट्रैफिक पुलिसकर्मी ने युवक के साथ मारपीट की, जिसके बाद युवक ने भी गुस्से में प्रतिक्रिया दी और पुलिसकर्मी पर हाथ उठा दिया। मौके पर मौजूद लोगों ने इस पूरी घटना का वीडियो बना लिया, जो अब इंटरनेट पर चर्चा का विषय बना हुआ है। घटना के बाद

पुलिसकर्मी ने युवक पर जातिगत टिप्पणी करने का आरोप लगाया। वहीं युवक ने इन आरोपों से साफ इनकार करते हुए कहा कि पुलिसकर्मी की नेम प्लेट दिखाई नहीं दे रही थी, इसलिए वह उसका नाम तक नहीं जानता था और ऐसे में जातिगत टिप्पणी करना संभव नहीं है। वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि विवाद अचानक बढ़ गया और आसपास काफी भीड़ जमा हो गई, लेकिन कोई भी तत्काल बीच-बचाव के लिए आगे नहीं आया। यह घटना स्थानीय लोगों और व्यापारियों के लिए चिंता का कारण बन गई है, क्योंकि महामाया चौक शहर का प्रमुख और भीड़भाड़ वाला इलाका है। मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि वीडियो और दोनों पक्षों के बयान के आधार पर निष्पक्ष जांच की जाएगी और जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि ऐसी घटनाओं को केवल सोशल मीडिया पर साझा करने के बजाय तुरंत पुलिस या संबंधित अधिकारियों को सूचित करें, ताकि समय रहते स्थिति को नियंत्रित किया जा सके। विशेषज्ञों का मानना है कि पुलिस और आम नागरिकों के बीच बेहतर संवाद और संयम ही ऐसे विवादों को रोक सकता है। पुलिस को अपने कर्तव्यों के दौरान संतुलित व्यवहार रखना चाहिए, वहीं नागरिकों को भी कानून और नियमों का पालन करना जरूरी है।

फर्जी मृत्यु प्रमाण-पत्र से नामांतरण रद्द, पार्षद गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर। चांपा पुलिस ने फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाकर भूमि का नामांतरण कराने वाले पार्षद रामसिंह गोड़ (33) निवासी वार्ड क्रमांक 26, जगदल्ला को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा है।

आरोपी के विरुद्ध भारतीय दंड संहिता की धाराएं 420, 467, 468, 471 और 34 के तहत कार्यवाही की गई है। पुलिस के अनुसार चांपा चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष व सोनारपारा चांपा निवासी सुनील सोनी ने शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार उनके दादा स्व. उमाशंकर ने जगदल्ला निवासी सुनहर गोड़ से खसरा नं. 473, रकबा 1.13 एकड़ जमीन खरीदी थी। इसकी अनुमति कलेक्टर से ली गई थी और पंजीकृत विक्रयनामा 19 नवंबर 1976 को हुआ था।

जांच के दौरान सामने आया कि पार्षद राम सिंह गोड़ ने सुनहर गोड़ का फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाकर दादा की खरीदी जमीन का नामांतरण निरस्त कराने का प्रयास किया है। आरोपी ने 2016-17 में ग्राम जगदल्ला के पार्षद, पटवारी और नगर पालिका कर्मचारियों से मिलीभगत कर फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र तैयार करवाया था। इसमें दादा की मौत 4 मई 1970 दर्शाई गई, जबकि मृत्यु तिथि 14 अक्टूबर 1979 है। पुलिस ने मामले में जांच कर गड़बड़ी करने के आरोप में पार्षद को गिरफ्तार किया है।

निर्दलीय जीता था चुनाव, पार्षद बनने पर किया भाजपा प्रवेश: सरकारी दस्तावेज से छेड़छाड़ के मामले में पुलिस ने आरोपी पार्षद रामसिंह गोड़ को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। उसने निर्दलीय सीट से चुनाव लड़कर जीत हासिल की थी। पार्षद बनने के बाद उसे भाजपा प्रवेश कर लिया था।

एक तरफा प्यार में लड़की के घर फायरिंग, सनकी युवक गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। जिले के बालको थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम दोनदारों के आश्रित ग्राम संगम नगर में गुरुवार देर रात एकतरफा प्रेम के विवाद में एक युवक ने युवती के पिता पर गोली चला दी। घटना में पिता बाल-बाल बच गए और उन्हें कोई चोट नहीं आई। पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, संगम नगर निवासी मां लखन साहू की नाबालिग बेटी से बालको नगर के इंदिरा नगर निवासी 22 वर्षीय साहिल मासी एकतरफा प्रेम करता

है। परिजनों का कहना है कि साहिल लंबे समय से युवती का पीछा कर उसे परेशान कर रहा था। इस संबंध में युवती के पिता ने बालको थाने में कई बार शिकायत भी दर्ज कराई थी। गुरुवार रात करीब 11 बजे साहिल युवती के घर पहुंचा और शादी के लिए दबाव बनाने लगा। मां लखन साहू ने जब इसका विरोध किया तो वह आक्रोशित हो गया।

उसने अपने पास रखी बंदूक निकालकर उन पर फायर कर दिया। हालांकि गोली उन्हें नहीं लगी और वे सुरक्षित बच गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी साहिल मासी को हिरासत में ले लिया।

बालको थाना प्रभारी युवराज तिवारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मामला एकतरफा प्रेम से जुड़ा प्रतीत हो रहा है। आरोपी से विस्तृत पूछताछ की जा रही है। उसके पास से हथियार जब्त कर लिया गया है और उसकी वैधता की भी जांच की जा रही है।

चोरी की बाइक बेचने के फिराक में घूम रहे दो गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर। पुलिस ने चोरी के एक मामले में कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई मोटरसाइकिल, नकदी 700 रुपए व घटना में प्रयुक्त एक अन्य बाइक बरामद की है।

मामले की जानकारी के अनुसार 29 जनवरी 26 की रात में जगजीवन कुर्रे, निवासी बिरगहनी के घर से अज्ञात चोरों ने राशन सामग्री, एक बाइक और नगदी रकम चोरी कर ली थी। घटना की रिपोर्ट दर्ज होने के बाद थाना जांजगीर में केस दर्जकर जांच शुरू की। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप के मार्गदर्शन में पुलिस को मुखबिर से सूचना

मिली कि चोरी की मोटरसाइकिल बेचने के फिराक में दो व्यक्ति घूम रहे हैं।

सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने घेराबंदी कर दोनों संदिग्धों को पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अमृतलाल पटेल (34 वर्ष), निवासी राजापारा चांपा और घनश्याम लाल चौहान उर्फ ब्लूटूथ (37 वर्ष), निवासी बैग बुढ़वा थाना शक्ति के रूप में हुई। पूछताछ में दोनों ने चोरी की वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया। आरोपियों ने बताया कि चोरी की गई राशन सामग्री और नगदी खर्च कर दी है, जबकि बाइक को बेचने की तैयारी थी। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की मोटरसाइकिल और 700 रुपए नकद बरामद किए।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रिसाली

रिसाली सेक्टर बी.एस.पी. स्कूल नं.-35, पिन-490006

Website:-risali.urbanecg.gov.in

क्रं./ लो.क.वि./2026/2411 रिसाली, दिनांक 20/02/26

//ई-निविदा निरस्त सूचना//

नगर पालिक निगम रिसाली कार्यालय हेतु वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्लेसमेंट श्रमिक प्रदाय कार्य हेतु ई-निविदा सिस्टम क्रं. 185541 दिनांक 13.02.2026 को आमंत्रित किया गया है। उपरोक्त कार्य का निविदा आमंत्रण जेम पोर्टल के माध्यम से किया जायेगा, उक्त कारण से ई-निविदा सिस्टम क्र. 185541 को निरस्त किया जाता है।

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम,
रिसाली

धान चोरी के मामले में दो गिरफ्तार

सूरजपुर। कुम्दा बस्ती निवासी रामबिलास राजवाड़े ने थाना विश्रामपुर में रिपोर्ट दर्ज कराया कि 18.फरवरी26 के भोर 4 बजे नया घर से इसका बेटा डिगम्बर अपने साथी मुन्ना पैंकरा के साथ मिलकर 03 क्विंटल धान चोरी करके पल्सर मोटर सायकल से बेचने ले जा रहे थे, गांव वालो के द्वारा हल्ला करने पर दोनों धान को लेकर भाग निकले। दोनों के द्वारा घर का ताला तोड़कर धान चोरी किया गया है। प्रार्थी की रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 43/2026 धारा 331(4), 305(ए), 112(2), 3(5) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया।

इस कार्यवाही में थाना प्रभारी विश्रामपुर प्रकाश राठौर, प्रधान आरक्षक जयप्रकाश तिवारी, सोहर लाल पावले, आरक्षक अजय प्रताप सिंह सक्रिय रहे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950